दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 126 | संभल, शनिवार 18 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

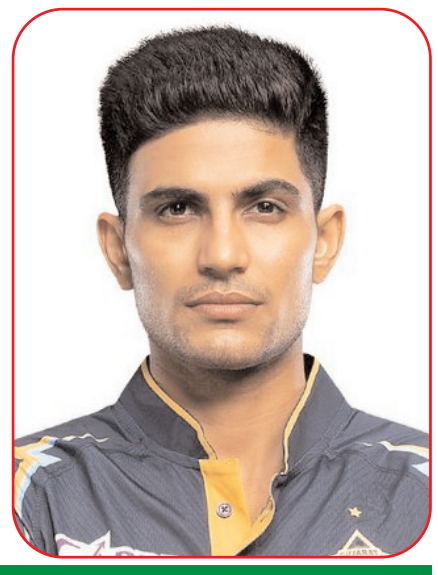

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल 54 वोट से गिरा

पास होने के लिए चाहिए थे 352, मिले 298

नई दिल्ली : महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान (131वां) संशोधन बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। इसमें संसद की 543 सीटों से बढ़ाकर 850 सीटें करने का प्रावधान था। 21 घंटे की चर्चा के बाद इस पर वोटिंग हुई। लोकसभा में मौजूद 528 सांसदों ने वोट डाले। पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े। बिल पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 का दो तिहाई 352 होता है। इस तरह ये बिल 54 वोट से गिर गया। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, लेकिन 3 सीटें खाली होने की वजह से मौजूदा सांसदों की संख्या 540 है। सरकार ने दो

बिल वोटिंग के लिए पेश ही नहीं किए पहला- परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026 दूसरा- केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026 सरकार ने इन पर वोटिंग कराने से इनकार कर दिया। कहा कि ये बिल एक-दूसरे से लिंक है इसलिए वोटिंग की जरूरत नहीं है। 12 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। पीएम की 3 अपील 13 अप्रैल एक कार्यक्रम में: मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और इस ऐतिहासिक संसद सत्र में हिस्सा लेते समय उनका हौसला बढ़ाएं। 16 अप्रैल लोकसभा में: हमें क्रेडिट नहीं चाहिए, जैसे ही पारित हो जाए तो मैं एड देकर सबको धन्यवाद देने को तैयार हूं। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं। 17 अप्रैल सोशल मीडिया में: सभी सांसद वोटिंग से पहले अपनी अंतर्रात्मा की आवाज सुनें।

सीएम ने सुनी जनता दर्शन में लोगों की समस्याये

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी बातें सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर

समस्या,शिकायत का संज्ञान लिया। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। बोले, समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह शुक्रवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे।

सार संक्षेप

आप सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा पर ईडी का शिकंजा, कई ठिकानों पर छापेमारी

लुधियाना। प्रवर्तन निदेशालय ने एक मामले की जांच के तहत पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर शुक्रवार को छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अरोड़ा और उनके बेटे काव्य अरोड़ा (जो हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड नामक कंपनी से जुड़े हैं), लुधियाना स्थित फाइंडॉक फिनवेस्ट के हेमंत सूद एवं जालंधर में कथित सटोरिया (बुकी) चंद्रशेखर अग्रवाल के आवासीय और आधिकारिक परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। ईडी की टीम को केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल के कर्मियों ने सुरक्षा प्रदान की। लुधियाना पश्चिम से विधायक एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरोड़ा आधिकारिक काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर हैं। ईडी ने 2024 में भी अरोड़ा के परिसर पर छापा मारा था। एजेंसी ने एक बयान में कहा गया है कि अरोड़ा से जुड़ी कंपनियों और कुछ अन्य संस्थाओं ने औद्योगिक भूमि का आवासीय परियोजनाओं के लिए कथित दुरुपयोग करके राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाया और अपराध से अत्यधिक धन अर्जित किया। कुछ दिन पहले संघीय जांच एजेंसी ने आम आदमी पार्टी के नेता एवं राज्यसभा सदस्य अशोक कुमार मित्तल के पंजाब और हरियाणा में परिसरों और उनके शैक्षणिक संस्थानों पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत छापेमारी की थी।

ईडी की नासिक के बाबा अशोक खरात के ऑफिस पर छापेमारी

नासिक। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। ईडी की टीम नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके स्थित उसके कमर्शियल दफ्तर ओक्स प्रॉपर्टी ऑफिस पर छापेमारी कर रही है। यह दफ्तर पहले 26 मार्च को नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) द्वारा सील कर दिया गया था। उस समय की तलाशी में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए थे। ईडी अब एसआईटी के साथ मिलकर इस सील किए गए स्थान पर काम कर रही है, जिससे उन्हें अंदर जाकर गहन जांच करने की अनुमति मिल गई है। इससे पहले ईडी की तलाशी में अशोक खरात के ठिकानों से 42 लाख रुपए नकद बरामद हुए थे और करीब 2.4 करोड़ रुपए की संपत्ति कोफ्रीज कर दिया गया था।

संसद में राहुल के बयान पर हंगामा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

देश से माफी मांगेंय ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन से जुड़े तीन संशोधित विधेयकों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के एक बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। राहुल के बयान पर सत्ताधारी दल के सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसके बाद सदन में शोर-शराबा और नारेबाजी शुरू हो गई। उन्होंने सरकार से 2023 के महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा लाने की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष इसे तुरंत लागू कराने में पूरा सहयोग देगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सत्ता और प्रतिनिधित्व देने से बचने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यही सरकार की वास्तविक मंशा प्रतीत होती है। राहुल गांधी ने कहा, श्मैं वापस गार्डन वाली कहानी सुनाता हूं। दादी ने कहा था कि सुनो राहुल मैं चाहती हूंकि तुम अंधेरे में देखना सीखो। अंधेरा में ही असली ताकत है। यह बढ़िया पॉलिटिकल लेशन है। जो असली ताकत होती है वो छिप कर काम करती है अपने आप को दिखाती नहीं है। मैं यह इसलिए बता रहा हूं कि सभी जानते हैं एक पार्टनरशिप हमारे जादूगर और बिजनेसमैन के बीच है।श इस पर एनडीए सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। राहुल ने कहा मैं पीएम का नाम नहीं ले रहा हूं। मैंने पीएम का नाम नहीं लिया। सर यह पार्टनरशिप मजबूत है, लेकिन छिपी है। जादूगर के पूरे इतिहास में यह ताकत छिपी है। जबसे वे यहां आए तब से यह चल रहा है। भाजपा जानती है कि यह बिल पास नहीं हो सकता। वे इतने बेवकूफ नहीं है वे जानते हैं। इसीलिए उन्होंने चुनावी नक्शा बदलने के लिए महिला आरक्षण का सहारा लिया। सच यह है कि जादूगर पकड़ा गया है। ऑपरेशन सिंदूर, नोटबंदी का जादूगर पकड़ा गया है। राहुल के जादूगर शब्द पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आपत्ति जताई है। कहा-श्विपक्ष के नेता अनाप शनाप बातें कर रहे हैं। पीएम के लिए ऐसा बोलेंगे। वे चुने हुए लीडर हैं। राजनाथ बोले इस देश के पीएम के संबंध में जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। इसकी घोर निंदा की जानी चाहिए। इस देश की जनता ने उन्हें पीएम बनाया है। राहुल ने जिन शब्दों का प्रयोग किया उसे सदन की कार्यवाही से बाहर निकाला जाए और राहुल माफी मांगे। रिजिजू बोले राहुल के भाषण से हमें आपत्ति नहीं है। वह कहते हैं कि आपरेशन सिंदूर एक जादू था, उसका मजाक बना रहे हैं। उसको जादू कहते हैं। रक्षामंत्री ने कहा है हम भी कह रहे हैं भाषण नियम के तहत दीजिए। बार-बार पीएम का मजाक उड़ाना गलत। पीएम आपका और मेरा नहीं है। स्पीकर ने आपत्तिजनक शब्दों को हटाया। राहुल ने फिर बोलना शुरू किया, उन्होंने कहा, दरअसल भाजपा के अंदर कंफ्यूजन चल रहा है। स्पीकर ने राहुल से बैठने को कहा। सदन में बोलते हुए राहुल गांधी ने जाति जनगणना के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि केवल जाति जनगणना शुरू करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि इसका उपयोग संसद और राज्य विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व तय करने के लिए किया जाएगा या नहीं।

आरक्षण के नाम पर सिर्फ छलावा: मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल एससी, एसटी और ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर लगातार अपना रुख बदलते रहे हैं और अब महिला आरक्षण के नाम पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। मायावती ने

शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में इन वर्गों के आरक्षण को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कभी ठोस पहल नहीं की। मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में मंडल आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि इसे लागू कराने का श्रेय बसपा के प्रयासों और पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह की सरकार को जाता है। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ देने संबंधी आयोग की रिपोर्ट को सपा सरकार ने लंबे समय तक लागू नहीं किया, जबकि बसपा सरकार ने 1995 में इसे लागू किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वही सपा राजनीतिक स्वार्थ के तहत महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की बात कर रही है। महिला आरक्षण पर मायावती ने कहा कि परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती। अपने बयान में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी पार्टी पूरी तरह गंभीर नहीं रही है।

महिला अधिकारों पर विपक्ष पर हमला: पंकज चौधरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लाए गए 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के रवैये को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके सहित पूरे इंडी गठबंधन ने एक बार फिर महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपनी असंवेदनशीलता उजागर की है। चौधरी ने कहा कि यह विधेयक देश की आधी आबादी को राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था, लेकिन विपक्षी

दलों ने इसे पारित न होने देकर महिलाओं की आकांक्षाओं को आहत किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते इस महत्वपूर्ण पहल को बाधित किया, जो महिलाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का इतिहास महिलाओं को केवल चुनावी मुद्दा बनाकर रखने का रहा है। जब भी महिलाओं को वास्तविक अधिकार देने की बात आती है, ये दल पीछे हट जाते हैं। इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए अनेक ठोस निर्णय लिए हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। चौधरी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं के सम्मान, अधिकार और भागीदारी का प्रतीक है। इसे रोकने का प्रयास नारी शक्ति के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने जैसा है।

विकासनगर अग्निकांड पीड़ितों को बुनियादी सुविधाएं दे सरकार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के विकासनगर स्लम बस्ती में 15 अप्रैल को हुए अग्निकांड के पीड़ितों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने समेत भोजन व चिकित्सा के इंतजाम करने का आदेश संबंधित अफसरों को दिया है। कोर्ट ने अग्निकांड मामले में दाखिल जनहित याचिका में पी डब्ल्यू डी, प्रदेश के राहत आयुक्त को पक्षकार बनाने के निर्देश देकर इनके समेत लखनऊ के जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर निगम, मुख्य अग्निशमन अधिकारी को 30 मई तक ब्यौरे के साथ जवाबी हलफनामे दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सरकारी अफसरों से पूछा कि आखिर 20 साल से पी डब्ल्यू डी की चार बीघा जमीन पर कैसे 1455 लोग अतिक्रमण करके बस गए? यह भी पूछा कि कैसे इन्हें बिजली, कुकिंग गैस के कनेक्शन किन कंपनियों के मिले और अबतक सरकारी अमला क्यों सोता रहा। कहा अदालत इसकी जांच करवाने पर विचार करेगी। साथ ही निर्देश दिया कि अफसर ाह सुनिश्चित करें कि किसी भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न होने पाए। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने शुक्रवार को यह आदेश अनुराग त्रिपाठी की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में अग्निकांड के पीड़ितों का समुचित पुनर्वास समेत उनकी चिकित्सा, राशन देने और अस्थाई निवास के इंतजाम करने की मांग की गई है। याची का कहना था कि वहां के लोगों का सबकुछ जल गया है, ऐसे में उन्हें जल्द सरकारी मदद मुहैया कराई जाए। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही पेश हुए। सरकार के मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने कोर्ट को बताया कि पीड़ितों को भोजन के पैकेट दिए जा रहे हैं एवं चिकित्सकीय मदद के लिए तत्काल एंबुलेंस समेत भेजी गईं। वहां अस्थाई चिकित्सा शिविर भी लगाया गया और रैन बसेरा भी बनाया गया है। कहा कि सरकार पीड़ितों की हर संभव मदद कर रही है। घटना में मृत दो बच्चों के परिजनों को चार - चार लाख मुआवजा भी दिए जाने की जानकारी दी। नगर निगम के अधिवक्ता ने कहा की वहां चल शौचालयों की व्यवस्था की गई और सफाई के भी इंतजाम किए गए हैं। कोर्ट को बताया गया कि वहां की चार बीघा जमीन , जहां अतिक्रमण करके स्लम बस्ती बनी, पी डब्ल्यू डी की है। वहां 1455 लोग रह रहे थे। कोर्ट ने आदेश देकर मामले के पक्षकारों से ब्यौरे के साथ जवाब तलब करके अगली सुनवाई 30 मई को तय की है।

योगी सरकार का बड़ा कदम: राज्यभर में नई न्यूनतम मजदूरी दरों को मिली कानूनी मंजूरी

लखनऊ/गौतमबुद्धनगर,। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हालिया घटनाक्रम के बाद उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा हस्तक्षेप करते हुए न्यूनतम मजदूरी दरों में संशोधन का निर्णय लिया। सरकार के निर्णय पर प्रदेश की राज्यपाल ने भी अपनी मुहर लगाते हुए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, जिसके बाद सरकार द्वारा निर्धारित नई न्यूनतम मजदूरी दरें कानूनी रूप से प्रभावी हो गई हैं। अब यह पूरे प्रदेश में बाध्यकारी रूप से लागू होंगी। उल्लेखनीय है कि घटनाक्रम के बाद श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच वेतन वृद्धि को लेकर गतिरोध खत्म करने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय समिति गठित की थी, जिसने अपनी सिफारिश में के तीन श्रेणियां में वेतन की दरें निर्धारित की हैं। इसके आधार पर राज्य सरकार ने अंतरिम राहत के रूप में नई मजदूरी दरें लागू करते हुए प्रदेश को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है, जिससे क्षेत्रीय परिस्थितियों और जीवन-यापन की लागत के अनुसार संतुलित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदेश को तीन श्रेणियों में बांटा गया। प्रथम श्रेणी में गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद को रखा गया, जहां जीवन-यापन की लागत अपेक्षाकृत अधिक है। यहां अकुशल श्रमिकों के लिए 13,690 रुपये, अर्द्धकुशल के लिए 15,059 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 16,868 रुपये मासिक न्यूनतम मजदूरी तय की गई है।

महिला आरक्षण संशोधन बिल चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश, पास नहीं होने देंगे:राहुल

नई दिल्ली : लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा में कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिस्सा लिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तिकरण से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल ने सरकार से कहा कि पुराना बिल लाइए, हम उसे पास कराएंगे। लोकसभा में कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि, हम सभी ने महिलाओं से बहुत कुछ सीखा है। भाजपा को पता है, विधेयक पारित नहीं हो सकता; हितैषी होने का संदेश देना चाह रही सरकार राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह बिल 2023 में पास हो चुका है, पहला सच ये है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तिकरण से कोई लेना-देना नहीं है। परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं- राहुल गांधी राहुल गांधी ने आगे कहा कि परिसीमन से महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता है। राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि पुराना बिल लाइए, हम उसे पास कराएंगे। चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सरकार देश के ओबीसी भाई-बहनों को ताकत नहीं देना चाहती है, ये एससी-एसटी के अधिकार छीनने की कोशिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधेयक देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का एक प्रयास है; इसके लिए भारत की महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी आड़ ली जा रही है। 'भाजपा को अपनी शक्ति में गिरावट का डर' राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि अगले 15 वर्षों तक जाति जनगणना का प्रतिनिधित्व से कोई संबंध न रहे। विपक्ष के नेता ने आगे कहा कि भाजपा को अपनी शक्ति में गिरावट का डर सता रहा है, सरकार भारतीय राजनीतिक मानचित्र को बदलने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'कल मैं अपनी बहन को कुछ ऐसा करते हुए देख रहा था जो उसने पांच मिनट में हासिल कर लिया, जो मैं शायद अपने 20 साल के राजनीतिक करियर में नहीं कर पाया - अमित शाह को मुस्कुराने पर मजबूर करना।'

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है। वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हो पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं। दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है।

झारखंड में सीएनटी-एसपीटी कानून से उपजा खौफ

गणेश प्रसाद झा

झारखंड की राजधानी रांची में अदालत के आदेश पर प्रशासन द्वारा गैर-आदिवासियों के 13 घरों को बुलडोजर से ढाह दिए जाने से पूरे राज्य के लोगों में बेघर होने का खौफ पैदा हो गया है । मधुकम खादगढ़ा इलाके में आदिवासी जमीन खरीदकर लगभग 45 सालों से वहां मकान बनाकर रह रहे 13 गैर-आदिवासी परिवारों के मकान अंग्रेजी शासनकाल के दौरान बने एक कानून के तहत अवैध होने की वजह से अदालती आदेश पर तोड़कर गिरा दिए गए। आदिवासियों की जमीन से संबंधित ये ब्रिटिशकालीन कानून हैं- छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट, 1908 (सीएनटी) और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट 1949 (एसपीटी)। ये दोनों कानून पूरे वनांचल क्षेत्र यानी झारखंड के इलाकों में तभी से लागू हैं जब बंगाल, बिहार और झारखंड एक ही राज्य हुआ करता था। इस कार्रवाई से आदिवासी काफी खुश हैं और वे पूरे झारखंड में 1932 का खतियान लागू करने और सीएनटी, एसपीटी की सारी जमीन खाली करने की मांग कर रहे हैं। इस बवाल के बाद रांची हाईकोर्ट ने मकान तोड़ने की कार्रवाई पर फिलहाल रोक तो लगा दी है पर वहां लाखों-करोड़ों रुपए लगाकर मकान बनाकर रह रहे गैर-आदिवासियों को अपने और अपने बच्चों के भविष्य को इस अनिश्चितता में फंसा हुआ पाकर गहरी चिंता ने घेर लिया है।

झारखंड में उठळ (छोटा नागपुर टेनेंसी) एक्ट और रढळ (संथाल परगना टेनेंसी) एक्ट कहता है कि आदिवासी की जमीन सिर्फ आदिवासी ही खरीद सकता है, कोई गैर-आदिवासी नहीं। झारखंड में रह रहे हर आदमी को यह बात मालूम है फिर भी लोग रिस्क लेकर दलालों और भ्रष्ट अधिकारियों की बातों पर भरोसा करके आदिवासियों की जमीन को गैर-आदिवासी द्वारा अवैध तरीके से रजिस्ट्री कराकर मकान बना बना लेते हैं' आप चाहे कितने भी राजनीतिक रसूखदार, ताकतवर या धन्ना सेठ हों आप कानून से उपर नहीं हैं। कोर्ट में सारी चीजें धरी की धरी रह जाती हैं। चाहे झोपडी हो, पक्का मकान हो या फिर अपार्टमेंट, इस कानून के तहत उनपर बुलडोजर चलना तय है। आदिवासियों की जमीन खाली कराने के लिए इन्हीं कानूनों के तहत झारखंड हाईकोर्ट में लगभग 4500 मामले अभी चल रहे हैं। हर मामले में आज नहीं तो कल इसी तरह का फैसला आना है।

अगर आप झारखंड में जमीन खरीद रहे हैं और मकान बना रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी वह जमीन किसी आदिवासी की न हो। अगर आपने आदिवासी (अनुसूचित जनजाति) की जमीन जबरन कब्जा लिया है या वह जमीन आपको अवैध रूप से हस्तांतरित (खरीदी हुई) की गई है, तो कानून के तहत उसे कभी भी कोर्ट या सक्षम प्राधिकार के आदेश से खाली कराया जा सकता है। चाहे आपने कई मंजिला इमारत बना रखी हो, उनपर बुलडोजर चलने से कोई नहीं रोक सकता। झारखंड में अगर कोई आदिवासी की जमीन दानपत्र के आधार पर भी खरीदता है तो इस कानून के तहत यह भी गैरकानूनी और सरासर धोखा ही है। आप भले ही दशकों पहले से मकान बनाकर रह रहे हों लेकिन आपका वह सबकुछ एक झटके में छिन सकता है। झारखंड में हालत यह हे कि वहां 60-65 फीसदी गैर-आदिवासी वहां के मूल निवासी आदिवासियों की जमीन पर ही बसे हुए हैं। आदिवासियों की जमीन पर बड़े-बड़े आलीशान मकान और कोठियों के साथ बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स बन गए हैं जो बिकते हैं और लोग खरिदते हैं।

झारखंड का छोटा नागपुर किरायेदारी (सीएनटी) अधिनियम, 1908, आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को अवैध हस्तांतरण से बचाने के लिए अंग्रेजी हुकूमत द्वारा बनाया गया एक महत्वपूर्ण भूमि अधिकार कानून है। यह अधिनियम उत्तरी छोटा नागपुर, दक्षिणी छोटा नागपुर और पलामू जैसे क्षेत्रों को कवर करता है। यह आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को बेचने, दान देने, उपहार में देने या पट्टे पर देने पर रोक लगाता है।

सीएनटी अधिनियम, 1908 जनजातीय भूमि अधिकारों की रक्षा करने और सामुदायिक स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए 11 नवंबर, 1908 को अधिनियमित किया गया। इस कानून की निषेधात्मक धारा 46-49 आमतौर पर अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), और पिछड़े वर्गों के स्वामित्व वाली भूमि को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत आदिवासी भूमि का हस्तांतरण केवल उसी पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाले किसी दूसरे आदिवासी को ही किया जा सकता है, जिसके लिए उपायुक्त (डीसी) से अनुमति लेना जरूरी है। इसमें एक अपवाद भी है और वह यह कि सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए भूमि सरकार को हस्तांतरित की जा सकती है। इसमें बेदखली से सुरक्षा की भी व्यवस्था दी गई है। विशिष्ट कानूनी आदेशों के अलावा, मकान मालिक द्वारा अधिभोगी रैयतों को बेदखल नहीं किया जा सकता है। किरायेदार अपनी भूमि का समर्पण कर सकते हैं, लेकिन यह लिखित रूप में होना चाहिए। यह अधिनियम झारखंड में स्वदेशी भूमि के हस्तांतरण को रोकने के लिए बनाया गया एक मूलभूत कानूनी ढांचा है।

जमीन के मामले में झारखंड में आज जो स्थिति है उसके लिए आदिवासी जमीन मालिक और सरकारी अफसर दोनों जिम्मेदार हैं। इसमें पीड़ित हैं आदिवासी जमीन मालिक और उनकी जमीन खरीदकर घर बनानेवाले भी। इस खेल में जो पीड़ित हैं वे भी इस साज़िश में भागीदार हैं और यह सब सरकार के नुमाइंदों की मदद से हुआ है। रांची में हुई इस अदालती कार्रवाई से पूरे झारखंड में हंगामा मचा हुआ है। कोर्ट की इस कार्रवाई पर आदिवासी राजनीति करने वाले मजे ले रहे हैं, लेकिन असली सवाल कोई नहीं पूछ रहा कि ये मकान सादा पट्टे पर ली गई जमीन पर बने थे। रांची में हजारों मकान इसी तरह सादा पट्टे पर बिके और हस्तांतरित हुए हैं। अब सवाल है कि इन जमीनों की दलाली किसने की? जाहिर है आदिवासी नेताओं ने ही की। और यह भी कि क्या सिर्फ इन 13 मकानों से ही कानून का उल्लंघन हुआ है? यह बात भी सही है कि रांची में आदिवासी जमीन का हस्तांतरण प्रशासन से अनुमति लेकर भी हुआ है। रांची से बाहर के हजारों संपन्न आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों ने भी रांची में आदिवासियों और पिछड़े वर्ग की जमीन एकड़ों में खरीदी है। उनका जाति प्रमाण पत्र संबंधित थाना क्षेत्र और जिले से बना है। पर यह कैसे बना? जाहिर है, फर्जी खतियान और फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए बनाया गया। अगर वर्ष 2000 से अब तक रांची जिले में अनुमति लेकर हस्तांतरित सीएनटी जमीन का एक स्वतंत्र ऑडिट हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

रांची में कई मोहल्ले और अपार्टमेंट आदिवासी जमीन पर बने हैं। लोग दलालों के बहकावे में आकर जमीन खरीद लेते हैं, कागज बन जाते हैं और उन्हें सुविधाएं भी मिल जाती हैं। बाद में अचानक घर तोड़ दिए जाते हैं, जो गलत है। सिर्फ घर गिराना न्याय नहीं है, बल्कि जमीन बेचने वाले, दलाल और जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। सभी के साथ बराबरी का व्यवहार होना जरूरी है, तभी सच्चा इंसाफ होगा।

कार्रवाई नन सेलेबल जमीन बेचनेवालों पर भी होनी चाहिए और दानपत्र, शपथपत्र द्वारा दान स्वरूप जमीन लेने वालों पर भी होनी चाहिए। आदिवासी क्या इसमें दोषी नहीं है। इतने लंबे अर्से से जो परिवार एक आशियाना बनाकर रह रहे हैं उनसे उनका वह आशियाना एक झटके में झपट लिया, यह कैसा कानून है। झारखंड में 60-65 फीसदी गैर-आदिवासी लोग आदिवासियों की जमीन पर ही बसे हुए हैं। और वहां बड़ी-बड़ी कोठियों के साथ बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स भी बिकते हैं तभी तो खरीदार उन्हें खरीदते हैं। इसमें बेचने वाला भी उतना ही दोषी है जितना खरीदने वाला। ठीक है जमीन आपकी है वापस ले लो पर जो भवन बनाया गया है उसका बाजार मूल्य के हिसाब से उचित मुआवजा भी तो चुकाना बनता है। पीड़ित पक्ष कहते हैं कि यह एक तरफा न्याय है।

जानकारों का कहना है कि इस अदालती कार्रवाई के बाद झारखंड में आदिवासी जमीन अब और सस्ता हो जाएगा और कॉरपोरेट घराने और बड़े-बड़े लोग आराम से उसे औने-पौने दामों में खरीद लेंगे। झारखंड के शहरों में हजारों नहीं लाखों-करोड़ों मकान आदिवासी जमीन पर ही बने डुए हैं। सबको तोड़ डालने से पूरा रांची और राज्य के दूसरे शहर पूरी तरह सपाट हो जाएंगे।

झारखंड में आदिवासियों की जमीन लोग जानबूझकर खरीदते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि गैर-झारखंडी यानी गैर-आदिवासी लोग रांची में सबकुछ जानते हुए भी आदिवासी जमीन खरीदते हैं और घर बनाते हैं और कहते हैं कि कभी कुछ नहीं होगा और जब होगा तब देखा जाएगा। तो अब हो रहा है, देखिए। जमीन खरीदारों को भी अच्छी तरह मालूम है कि आदिवासी जमीन लेने में खतरा है लेकिन खरीदार क्या करें उन्हें आदिवासी जमीन बहुत ही कम दामों में मिल जाती है और वे खरीद लेते हैं। आदिवासी भी पैसों की जरूरत होने पर कानून को जानते हुए भी जमीन बेचते हैं। और बाद में बेईमानी पर उतारू हो जाते हैं और कानून की धौंस दिखाने लगते हैं। अगर जमीन सेलेबल नहीं है तो फिर उसे क्यों बेचना। हो सकता है किसी ने आदिवासी की जमीन जबरन हथिया ली हो लेकिन हर किसी ने तो ऐसा नहीं किया होगा। सारा खेल जमीन माफिया और प्रशासनिक माफिया का किया धरा है और इन्हीं के चलते आज हर कोई इस समस्या को भुगत रहा है।

इसे सिस्टम की नाकामी भी कह सकते हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि चंद पैसे के लालच में डीड का सत्यापन करना और अधिकार दिलाना यह सब राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों ने कराया। उन अधिकारियों पर भी कानूनी कारवाई होनी चाहिए जिन्होंने ऐसा कुकृत्य किया है और उसका खामियाजा इन 13 परिवारों को भुगतना पड़ा है।

जब लोग जानते हैं कि आदिवासी जमीन आज नहीं तो कल मालिक का ही होगा तो फिर जबरदस्ती वैसी जमीन खरीदकर घर क्यों बनाते हैं। ऐसी जमीन खरीदकर मकान बनानेवाले सामान्य वर्ग के लोग कहते हैं की आदिवासी कभी केस नहीं लड़ पाएगा और न जमीन हासिल कर पाएगा। हजारों गैर-आदिवासी और सामान्य वर्ग के लोग अपनी इसी मानसिकता के साथ अभी भी खरीद बिक्री कर रहे हैं और नहीं बेचने पर मजबूर व्यक्ति को कई तरह के झांसे में लेकर जमीन खरीद रहे हैं। जब खरीदते समय भी यह सब पता था, तो अब घर टूटते समय भी दर्द सहन करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

इस मामले पर आदिवासी राजेंद्र मुंडा कहते हैं कि कभी देर से, शायद दो पीढ़ियों बाद भी, लेकिन कर्मा हमेशा लौटकर आता है। महादेव ओरांव के मामले में झारखंड हाईकोर्ट का फैसला सिर्फ एक परिवार की जीत नहीं है। यह उस उद्देश्य की फिर से पुष्टि है जिसके लिए छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी कानून), 1908 बनाया गया था - आदिवासी जमीन को अवैध हस्तांतरण, दबाव, फर्जीवाड़े और बेदखली से बचाने के लिए।

आदिवासी भूमि का गैर-आदिवासियों को हस्तांतरण बिना वैधानिक अनुमति के नहीं हो सकता।

सीएनटी का उल्लंघन कर किया गया कोई भी हस्तांतरण शुरूआत से ही शून्य (अवैध) माना जाता है। प्रशासन को अधिकार है कि वह दशकों बाद भी अवैध कब्जाधारियों को बेदखल कर भूमि मूल आदिवासी मालिक को वापस दिलाए। आदिवासी पक्ष का कहना है कि ऐसा कहना कि आदिवासी पहले जमीन बेचते हैं, फिर वापस ले लेते हैं यह एक खतरनाक भ्रम है। यह बात झारखंड के वास्तविक इतिहास को नजरअंदाज करती है। औपनिवेशिक काल और स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक फर्जी दस्तावेज, कर्ज के जाल, दबाव,धमकी और बेनामी खरीदारों के जरिए बड़े पैमाने पर आदिवासी भूमि छीनी गई। रांची और आसपास के क्षेत्रों में कई आदिवासी गांव शहरी विस्तार में बिना वैध हस्तांतरण के समाहित कर लिए गए। अनेक परिवार रोजगार के लिए पलायन कर गए, अशिक्षा और कानूनी जानकारी के अभाव में चुप रह गए, जबकि कब्जाधारी अपनी पकड़ मजबूत करते चले गए। सीएनटी के तहत बहाली यानी जमीन का उसके मूल मालिक को रेस्टोरेशन कोई धोखाधड़ी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक अन्याय का कानूनी सुधार है।

अब बात उठ रही है कि पैसा तो दिया गया था, फिर जमीन क्यों लौटाई जाए? इस पर जानकार कहते हैं कि भले ही किसी समय को कुछ पैसा दिया गया हो पर पैसा देना अवैध सौदे को वैध नहीं बनाता। जो लेन-देन सीएनटी कानून का उल्लंघन करता है, उसकी कोई कानूनी वैधानिक मान्यता नहीं है। जिसे कानून ही बेचने से रोकता है, उसे कोई खरीद नहीं सकता। खरीद कैसे लिया जब रजिस्ट्री हुई ही नहीं। जब रजिस्ट्री ही नहीं हो सकता तो फिर जमीन की खरीद-बिक्री कैसे हो गई।

यदि कोई व्यक्ति दशकों तक आदिवासी भूमि पर अवैध रूप से काबिज रहा है तो वह व्यक्ति दिए गए पैसों की वापसी की मांग नहीं कर सकता। ऐसा ही एक सतवर्षा सुदभरना कानून इंदिरा गांधी ने 1975-1980 के दौरान लागू किया था जिसमें जमीन गिरवी रखने वालों की जमीन बिना रकम लौटाए वापस हो गई थी। तर्क यही था कि वास्तविक मालिक ने वर्षों तक अपनी जमीन के उपयोग, आजीविका और सुरक्षा का नुकसान झेला है। सामान्य संपत्ति कानून के सिद्धांतों के अनुसार, अवैध कब्जाधारी पर हजार्ना/क्षतिपूर्ति तक का दावा किया जा सकता है। यानी कानून की नजर में नुकसान आदिवासी परिवार का हुआ है, कब्जाधारी का नहीं। आदिवासी जमीन पर बसे लोगों का यह कहना है कि जिन्होंने भी जमीन खरीदी है उसका उसी समय विरोध होना चाहिए था और उनपर कानूनी कार्रवाई उसी समय होनी चाहिए थी। लोगों को पहले घर बनाने दिया गया और इतने सालों बाद आज उन्हें बेघर किया जा रहा है। उन्हें बेघर करना कहीं से भी उचित नहीं है। पूरा देश कानून से चलता है और कानून मानना भी पड़ेगा। आज भी जमीन की खरीद बिक्री अवैध रूप से हो रही है और सरकार यह गलत काम होने दे रही है। इस पर रोक लगनी चाहिए।

गणेश प्रसाद झा

वैश्विक जनजातीय सभ्यताः प्रकृति, प्रज्ञा और परंपरा का महासिंधु

सत्येन्द्र कुमार पाठक

आदिम चेतना का मानव सभ्यता के इतिहास में जनजातीय समुदाय केवल वनवासी या गिरिजन नहीं हैं, बल्कि वे उस आदि-प्रज्ञा के संवाहक हैं, जिसने प्रकृति के साथ संघर्ष के बजाय सह-अस्तित्व को अपना जीवन-दर्शन बनाया। भारत के विंध्य और सतपुड़ा की कंदराओं से लेकर अमेजन के वर्षावनों और साइबेरिया के बर्फीले मैदानों तक, जनजातीय संस्कृति एक ऐसे वैश्विक सूत्र से जुड़ी है, जिसका आधार पंचतत्व और सामुदायिक शुचिता है। यह आलेख जनजातीय जीवन के बहुआयामी पक्षों का एक तुलनात्मक और शोधपरक अन्वेषण है।

समतावाद और अभूतपूर्व लोकतंत्र - जनजातीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गैर-श्रेणीबद्ध संरचना है। आधुनिक समाज जहाँ वर्ग और वर्ण के विभेद में उलझा है, जनजातीय समाज सामुदायिकता को सर्वोपरि मानता है। स्त्री-पुरुष समानताः जनजातीय समाज में लिंग-भेद न्यूनतम है। मेघालय की खासी जनजाति में मातृसत्तात्मक व्यवस्था है, जहाँ वंश का नाम माता से चलता है। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ के गोंड और झारखण्ड के मुंडा समुदायों में महिलाएं आर्थिक निर्णयों में पुरुषों के बराबर की भागीदार हैं। युवा गृह : बस्तर के घोटुल, ओरांव के धुमकुरिया और नागालैंड के मोरुंग जैसी संस्थाएं केवल मनोरंजन केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक प्रशिक्षण के विश्वविद्यालय हैं। यहाँ युवाओं को सेवा, अनुशासन, लोक-संगीत और सामुदायिक उत्तरदायित्व की शिक्षा दी जाती है। पारंपरिक न्याय प्रणालीः प्रत्येक गाँव में ग्राम सभा होती है। बिहार-झारखण्ड में मांझी-परगना व्यवस्था या राजस्थान में पाल मुखिया की व्यवस्था, विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का प्राचीनतम रूप है। यहाँ दंड का उद्देश्य अपराधी को समाज से बाहर करना नहीं, बल्कि उसका प्रायश्चित कराकर उसे पुनः मुख्यधारा में शामिल करना होता है।

आध्यात्मिक एवं धार्मिक दर्शनः सर्वात्मवाद और पूर्वज पूजा - जनजातीय अध्यात्म संस्थानिक धर्म से भिन्न है। इनका धर्म अनुभव और प्रत्यक्ष प्रकृति पर आधारित है। पंचतत्व की उपासनाः जनजातियों के लिए जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश केवल भौतिक तत्व नहीं, बल्कि जीवित देवता हैं। इष्टदेव और प्रतीकवादः * भारतः गोंडों के बूढ़ादेव, संथालों के मरांग बुरु (पर्वत देवता) और भीलों के राजा पंथा प्रकृति के ही मानवीकृत रूप हैं। अमेरिका के नवाजो और अपाचे ग्रेट स्पिरिट की पूजा करते हैं। रूस के साइबेरियाई क्षेत्रों में शमनवाद प्रचलित है, जहाँ आध्यात्मिक गुरु (शमन) आत्माओं और मनुष्यों के बीच सेतु का कार्य करता है।।टोटेमवाद : प्रत्येक गोत्र का संबंध किसी पशु, पक्षी या वृक्ष से होता है। उस टोटेम की रक्षा करना उस गोत्र का परम धर्म होता है, जो अनजाने में ही वन्यजीव संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

भाषायी एवं साहित्यिक संपदाः मौखिक परंपरा का वैभव में जनजातीय साहित्य लिखित न होकर श्रुति और स्मृति पर आधारित है। यह हजारों वर्षों का संचित ज्ञान है जो लोकगीतों, मिथकों और पहेलियों के माध्यम से जीवित है। भाषायी परिवारः भारत में जनजातीय भाषाएं तीन प्रमुख परिवारों–आग्नेय (अ४२३१ङ्क-अ२ं३ू), भोट-चीनी और द्रविड़ –में विभक्त हैं। संथाली भाषा की अपनी लिपि ओल-चिकी इसकी उन्नत अवस्था का प्रमाण है। लोक गाथाएंः मुंडाओं की सोसोबोंगा या गोंडों की पंडवानी गाथाएं महाकाव्यों के समान विस्तृत हैं। इनमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति, वीरता और नैतिकता के पाठ छिपे हैं।

अमेरिका के मूल निवासियों की कोड-टॉकर्स भाषा का महत्व द्वितीय विश्व युद्ध में भी सिद्ध हुआ थ स्थिरता और पारिस्थितिकी संतुलन में जनजातीय अर्थव्यवस्था जीवन निर्वाह पर आधारित है, न कि असीमित संचय पर है। वनोपज और कृषिः इनकी अर्थव्यवस्था वनों के उत्पादों (महुआ, चिरौंजी, शहद, जड़ी-बूटियाँ) पर निर्भर है। झूम खेती या पेंडा खेती भूमि के चक्रीय उपयोग का प्राचीन वैज्ञानिक तरीका है। सामुदायिक स्वामित्वः भूमि और जल स्त्रोतों पर किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का अधिकार होता है। यह व्यवस्था आर्थिक विषमता को जन्म नहीं लेने देती। हस्तशिल्पः छत्तीसगढ़ का ढोकरा शिल्प धातु विज्ञान की प्राचीनतम तकनीक है। इसी तरह, पूर्वोत्तर के राज्यों (नागालैंड, मणिपुर) में बांस और बेंत का काम इंजीनियरिंग और कला का बेजोड़ नमूना है।

.भारत से विश्व तक का सेतु - जनजातियों का इतिहास विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। भारतः बिरसा मुंडा का उलगुलान, सिद्धू-कान्हू का संथाल हुल, और रानी दुर्गावती का मुगलों से संघर्ष–ये सभी अपनी स्वशासन की रक्षा के उदाहरण हैं। अमेरिका के मूल निवासियों ने अपनी भूमि के लिए दशकों तक संघर्ष किया। ब्रिटेन के प्राचीन सेल्टिक योद्धाओं ने रोमनों के विरुद्ध वीरता दिखाई। यह योद्धा वृत्ति आज भी उनके लोकनृत्यों और शस्त्र-पूजन में दिखाई देती है। आधुनिक शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य चुनौतियां - परंपरागत रूप से समृद्ध होने के बावजूद, आधुनिक काल में ये समुदाय पिछड़ गए हैं। इनकी अपनी शिक्षा प्रणाली (जैसे घोटुल) को आधुनिक शिक्षा ने विस्थापित किया है। अब सरकार एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बना रही है। जनजातियों के पास नृ-वनस्पति विज्ञान का अपार ज्ञान है। वे हजारों असाध्य रोगों का इलाज वनों की जड़ी-बूटियों से करते हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान आज इस ज्ञान की ओर मुड़कर देख रहा है।

भविष्य का मार्ग का जनजातीय संस्कृति केवल संरक्षण की वस्तु नहीं है, बल्कि वह आधुनिक विश्व के लिए समाधान है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में, जनजातियों का यह सिद्धांत कि हम पृथ्वी के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक हैं, पूरी मानवता के लिए संजीवनी है।

सांस्कृतिक प्रहरी के रूप में जनजातिः भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के असली रक्षक हैं। उनकी मौखिक परंपरा, बीज संरक्षण की तकनीक, और सामुदायिक जीवन हमें एक बेहतर और शांतिपूर्ण विश्व की ओर ले जा सकते हैं।लाल भारत के ऐतिहासिक क्षेत्र से लेकर विश्व के सुदूर कोनों तक, जनजातीय समाज का संघर्ष और सृजन एक ही राग अलापता है–स्वतंत्रता और प्रकृति से प्रेम। एक लेखक और इतिहासकार के रूप में, हमारा दायित्व है कि हम इस आदिम मेधा को आधुनिक शोध के पन्नों पर वह स्थान दिलाएं, जिसकी वह हकदार है। जनजातीय संस्कृति का भविष्य ही मानवता का सुरक्षित भविष्य है।

संदर्भ सूत्रः भारत का जनजातीय इतिहास - शोधपरक विश्लेषण ,विश्व की स्वदेशी संस्कृतियाँ - संयुक्त राष्ट्र (वठ) रिपोर्ट , नृ-वंश विज्ञान और भाषायी विविधता - अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र , क्षेत्रीय अध्ययनः मगध और छोटानागपुर की जनजातीय ।

9472987491

श्रद्धांजलिः गांधी-विनोबा विचार के प्रदीप्त स्तंभ बाल विजय भाई का महाप्रयाण

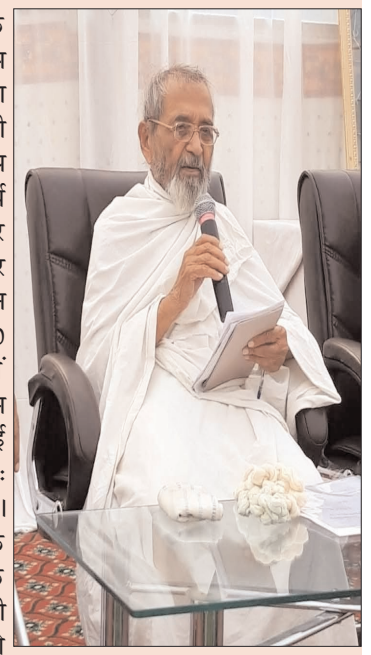

आचार्य कुल के प्रथम मंत्री, द्वितीय अध्यक्ष एवं संत विनोबा भावे के अनन्य सहयोगी आदरणीय बाल विजय भाई ने आज 18 मार्च 2026 को पवनार स्थित ब्रह्म विद्या मंदिर आश्रम में अपनी जीवन यात्रा पूर्ण की। 100 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। बाल विजय भाई का जीवन पूर्णतः समर्पण की गाथा रहा। धनबाद में एक माइनिंग इंजीनियर के रूप में करियर की शुरूआत करने वाले बाल भाई, भूदान आंदोलन के दौरान विनोबा जी के विचारों से ऐसे प्रभावित हुए कि सर्वस्व त्याग कर उनके निजी सचिव बन गए। विनोबा जी के अंतिम समय तक वे उनकी छाया बनकर रहे और उनके बाद आचार्य कुल एवं खादी मिशन के माध्यम से ग्राम स्वराज और विश्व शांति के कार्यों को गति प्रदान की। हमारा मंत्र जय जगत, हमारा लक्ष्य विश्व शांति के ध्येय के साथ उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की और विश्व मैत्री का संदेश फैलाया। उनका जाना सर्वोदय समाज और खादी जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। बाल भाई का व्यक्तित्व सादगी और संकल्प का मिश्रण था। उनका मार्गदर्शन हमें सदैव ग्राम स्वराज की दिशा में प्रेरित करता रहेगा। आचार्य कुल परिवार की ओर से इस महान पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''गिलेडविन मसीह'' के लिए ''बुलंद मंज़िल'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

नगर पालिका ने मुख्य मार्गों से चलाया अस्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान

दैनिक बुलंद मंज़िल / मौहम्मद फैजान

स्योहारा। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका प्रशासन की टीम ने सड़क किनारे लगाए गए ठेले, खोखे, टीन शेड, फुटपाथों पर रखा सामान तथा अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया।

अभियान के चलते बाजार क्षेत्र एवं मुख्य मार्गों पर कुछ समय के लिए हलचल का माहौल बना रहा। पालिका कर्मचारियों ने कई स्थानों पर दुकानदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया, वहीं कुछ जगहों पर टीम ने कार्रवाई करते हुए सामान हटवाया गया इस मौके पुलिस बल भी मौजूद रहा।अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि नगर पालिका द्वारा शहर को जाममुक्त, स्वच्छ एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अवैध रूप से रखा गया सामान राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। साथ ही नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की गई कि वे सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें और प्रशासन का सहयोग करें।

गुलदार के हमले से दहशतः अजूपुरा में बाल-बाल बचे बच्चे, पीड़ित परिवार से मिले रालोद नेता अशोक चौधरी

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/हीमपुर दीपा। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम अजूपुरा में गुलदार के हमले से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। दो दिन पूर्व हुए इस हमले में सतवीर सिंह के पुत्र और धर्मवीर सिंह के भतीजे बाल-बाल बच गए, जिससे गांव के लोग सहमे हुए हैं।

गुलदार के हमले से सहमे ग्रामीण

घटना के बाद से गांव में भय का वातावरण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की आवाजाही देखी जा रही है, जिससे बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पीड़ित परिवार से मिले अशोक चौधरी

घटना की सूचना मिलने पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव अशोक चौधरी अपने साथियों के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार का हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

प्रशासन से की सख्त मांग

अशोक चौधरी ने प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग करते हुए कहा कि वन विभाग की टीम को तत्काल सक्रिय किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुलदार को जल्द पकड़कर जंगल में छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।अब सबकी नजर प्रशासन और वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी है कि कब तक इस खतरे से ग्रामीणों को राहत मिलती है।

26 साल की उम्र में बुझ गया जीवन

का दिया! स्याऊ निवासी युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, गंगा घाट पर नम आंखों से विदाई

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर (बिजनौर)। एक दर्दनाक सड़क हादसे ने स्याऊ गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। ग्राम स्याऊ निवासी 26 वर्षीय कौशल कुमार की बीती रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस असामयिक निधन से परिवार ही नहीं, पूरे गांव में मातम का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कौशल कुमार टीं१४३ शहर के एक निजी अस्पताल में कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। बीती रात वह दतियाना मार्ग की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका गंभीर सड़क हादसा हो गया। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

खबर मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गांव के लोग भी बड़ी संख्या में उनके घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि कौशल कुमार मेहनती, मिलनसार और सरल स्वभाव के युवक थे, जिनकी अचानक मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया।

गंगा घाट पर नम आंखों से दी अंतिम विदाई

मृतक का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह [illegible] पर किया गया। इस दौरान परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

नागेन्द्र सिंह राजपूत ने जताया गहरा शोक

ग्राम स्याऊ निवासी एवं विश्र हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री व वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत ने कौशल कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कौशल उनके पड़ोस का रहने वाला एक बेहद सरल, मेहनती और संस्कारी युवक था, जिसकी असामयिक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

उन्होंने कहा, कौशल जैसा होनहार और मिलनसार युवा यूं अचानक हम सबको छोड़कर चला जाएगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे गांव की अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य व संबल दें।

एक हादसा, कई सवाल

इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एक युवा जीवन का यूं असमय खत्म होना न सिर्फ परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। कौशल कुमार की मौत से स्याऊ सहित आसपास के क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

चांदपुर में मुठभेड़ के बाद गौकशी गिरोह का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार, एक घायल

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गौकशी के एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 3 आरोपी मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सीएचसी स्याऊ में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार 14 अप्रैल 2026 को ग्राम सब्दलपुर तेली के पास गौवंश के अवशेष मिलने की सूचना पर थाना चांदपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

16/17 अप्रैल की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम बेरखेड़ा मार्ग पर घेराबंदी की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में वसीम नामक आरोपी घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से वसीम पुत्र याकूब कुरैशी, फईम पुत्र तस्लीम, तहसीन उर्फ कलवा पुत्र शकूरा तथा फरीद पुत्र बाबू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं नईम, अजीम उर्फ छंगा और एक अन्य आरोपी फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे आवारा गौवंश को पकड़कर सुनसान स्थानों पर ले जाते थे और रात्रि में उनकी हत्या कर मांस बेचते थे। उन्होंने 13/14 अप्रैल की रात सब्दलपुर तेली के जंगल में हुई घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, पशु काटने के उपकरण, गौवंश का कटा हुआ सिर, ?2200 नकद तथा दो दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह, उपनिरीक्षक सुनील कुमार (स्वाट टीम प्रभारी), उपनिरीक्षक सुभाष चौधरी सहित हेड कांस्टेबल नरेश पूनिया कांस्टेबल सागर, अमित कुमार, , कांस्टेबल रणजीत मलिक, मौहम्मद सिराज, अंकित कुमार एवं अंकुर कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने मुठभेड़ के संबंध में अलग से मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

खतरनाक करतब पड़े भारी! शिवाला कलां में बिना अनुमति अखाड़ा प्रदर्शन, 12 युवकों पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/शिवाला कलां । थाना शिवाला कलां क्षेत्र के ग्राम सीमला में खतरनाक स्टंट और बिना अनुमति अखाड़ा प्रदर्शन करना युवकों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने मानव जीवन को जोखिम में डालने के आरोप में 12 युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना 14 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2 बजे चामुंडा मंदिर के पास की बताई जा रही है।

कीलों पर लेटकर और गर्दन पर नारियल काटकर किया प्रदर्शन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव सीमला में आयोजित इस अखाड़ा प्रदर्शन के दौरान युवकों ने कीलों पर लेटने और गर्दन पर नारियल रखकर काटने जैसे बेहद खतरनाक करतब किए। इन गतिविधियों से न केवल प्रदर्शन करने वालों की जान को खतरा था, बल्कि आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा भी जोखिम में पड़ गई।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई।

सोशल मीडिया से मिली सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस टीम

पुलिस को सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना मिली कि डॉ. अंबेडकर समिति के अध्यक्ष कलवा पुत्र घनश्याम के नेतृत्व में बिना अनुमति अखाड़ा खेला जा रहा है।सूचना पर उपनिरीक्षक अजीत सिंह और कांस्टेबल प्रवीण मौर्य मौके पर पहुंचे और जांच की, जिसमें आरोपों की पुष्टि हुई।

बाहरी युवकों को बुलाकर कराया गया प्रदर्शन

जांच में सामने आया कि सीमला निवासी अर्जुन, राजू, हरिराम, इमरत सिंह, गुड्डू और सौरभ समेत अन्य लोगों ने रामरूपपुर गांव के छोट्टन, परवेंद्र, गोलू, विशाल और लवी को बुलाकर यह खतरनाक प्रदर्शन कराया। जब आयोजक से अनुमति पत्र मांगा गया तो वह कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके।

इठर की धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा पुलिस ने कलवा पुत्र घनश्याम सहित कुल 12 युवकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 125/223 के तहत मुकदमा अपराध संख्या 52/26 दर्ज कर लिया है।

जांच जारी, गिरफ्तारी बाकी

थाना प्रभारी शिवाला कलां ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बिना अनुमति और सुरक्षा इंतजामों के ऐसे खतरनाक प्रदर्शन करना कानूनन अपराध है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही और जोखिम भरे कृत्यों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खुशियों में खलल! चांदपुर के मैरिज हॉल में शादी बनी रणभूमि, बारातियों में जमकर मारपीट

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । शादी समारोह की खुशियां उस समय तनाव में बदल गईं, जब चांदपुर के कोहेनूर मैरिज हॉल में बारातियों के बीच मामूली कहासुनी ने अचानक उग्र रूप ले लिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई और कुर्सियां तक चलने लगीं। यह घटना 16 अप्रैल 2026 को बिजनौर बाईपास रोड स्थित मैरिज हॉल में हुई, जहां कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया और समारोह बाधित हो गया।

कहासुनी से भड़का विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसील चांदपुर के ग्राम रेहरा निवासी हाजी नफीस की पुत्री का विवाह समारोह चल रहा था। बारात थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव रहरा से आई थी। विवाह की रस्मों के दौरान बारातियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शुरूआत में मौजूद लोगों ने विवाद को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन मामला सुलझने के बजाय और अधिक बढ़ गया।

लात-घूंसे और कुर्सियों से हमला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और जमकर लात-घूंसे चलने लगे। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मैरिज हॉल में रखी कुर्सियां भी एक-दूसरे पर फेंकी गईं।

इस अचानक हुए घटनाक्रम से वहां मौजूद महिलाओं और बच्चों में दहशत फैल गई और कुछ समय के लिए पूरे हॉल में अफरातफरी का माहौल बन गया।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मैरिज हॉल में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। वीडियो में दोनों पक्षों के लोग आपस में झगड़ते और मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

परिजनों के हस्तक्षेप से थमा विवाद

गनीमत रही कि इस घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। बाद में परिजनों और अन्य लोगों के हस्तक्षेप से विवाद को शांत कराया गया, जिसके बाद शादी की रस्में दोबारा शुरू कराई गईं।

पुलिस कार्रवाई तहरीर पर निर्भर

मामले में कस्बा इंचार्ज सागर चौधरी ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शादी जैसे खुशहाल अवसर पर छोटी सी कहासुनी भी बड़े विवाद का रूप ले सकती है। ऐसे आयोजनों में संयम और समझदारी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि खुशियों का माहौल बना रहे।

घर-घर दस्तक की तैयारी! चांदपुर में जनगणना 2026 के पहले चरण का प्रशिक्षण शुरू, सटीक गणना पर फोकस

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । आगामी जनगणना 2026 को सफल, सटीक और त्रुटिरहित बनाने के लिए चांदपुर नगर पालिका परिषद के महात्मा गांधी सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जनगणना के प्रथम चरण के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने भाग लिया, जिन्हें घर-घर जाकर डेटा संग्रह की प्रक्रिया के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यह चरण पूरी जनगणना प्रक्रिया की नींव माना जाता है, क्योंकि इसी के आधार पर आगामी जनसंख्या गणना की रूपरेखा तय होती है।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण की प्रक्रिया, परिवारों की पहचान, सही आंकड़ों के संकलन और फॉर्म भरने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल उपकरणों के उपयोग, डेटा एंट्री की प्रक्रिया और तकनीकी सावधानियों पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। प्रशिक्षकों ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य है, जिसमें छोटी सी लापरवाही भी बड़े स्तर पर प्रभाव डाल सकती है। इसलिए सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को पूरी सतर्कता, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, महिला शिक्षक एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी भी शामिल हुए, जिन्होंने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण को सफल बनाया। अधिकारियों ने प्रतिभागियों से अपेक्षा जताई कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हुए जनगणना कार्य को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करेंगे। कार्यक्रम के आगामी चरणों में व्यावहारिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को फील्ड में कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त हो सके।

चांदपुर में शुरू हुआ यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यह दशार्ता है कि प्रशासन जनगणना 2026 को लेकर पूरी तरह गंभीर है और जमीनी स्तर पर तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है, ताकि हर घर तक सटीक जानकारी पहुंच सके और देश की विकास योजनाओं के लिए ठोस आधार तैयार हो।

विवेक पुस्तकालय का दसवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

दैनिक बुलंद मंज़िल सलीम हैदर

कोतवाली देहात। ग्राम शादीपुर स्थित विवेक पुस्तकालय का दसवां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने शिक्षा, पुस्तकों के महत्व और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद देवेंद्र कुमार मलिक ने कहा कि किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। आज डिजिटल युग में पुस्तकें ऑनलाइन और डिजिटल स्वरूप में भी उपलब्ध हैं, लेकिन पुस्तकालय में पढ़ने का अलग ही महत्व है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करता है, जहां वे एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राओं से सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के प्रयोग में सावधानी बरतने की अपील की।

इस दौरान केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुस्तकालय संचालक विवेक गुप्ता ने बताया कि विवेक पुस्तकालय की शुरूआत 17 अप्रैल 2017 को की गई थी। वर्तमान में पुस्तकालय में 50 से अधिक बच्चे नियमित रूप से अध्ययन करने आते हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में सभी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम में डॉ. भोगेंद्र सिंह, शुभम भूईयार, मनजीत सिंह, शांतनु मौर्य, भविष्य मौर्य, रोहन कश्यप सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
04

चांदपुर तहसील में किसानों का शक्ति प्रदर्शनः भाकियू लोक शक्ति की पंचायत में गरजी आवाज, 1 मई से अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान

दैनिक बुलंद मंजिल /नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील परिसर शुक्रवार को किसानों के हुजूम से गूंज उठा, जब भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की मासिक पंचायत जोरदार तरीके से आयोजित की गई। जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह काकरान के नेतृत्व में हुई इस पंचायत में किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर जोरदार आवाज बुलंद की और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। पंचायत की अध्यक्षता ब्लॉक उपाध्यक्ष सतवीर सिंह ने की, जबकि संचालन नूरपुर ब्लॉक अध्यक्ष टिल्लू भैया ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और अपनी समस्याओं को मंच के माध्यम से उठाया। अधिकारियों के चक्कर काट रहे किसान

योगेंद्र सिंह काकरान ने कहा कि किसानों के कार्य विभिन्न विभागों में समय पर नहीं हो रहे हैं। कई बार अधिकारियों के चक्कर काटने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। उन्होंने नाईपुरा, शादी सैदपुर और खानपुर के किसानों की लंबित पैमाइश का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। मांगों की लंबी सूची से गरजी पंचायतपंचायत में किसानों ने आवारा पशुओं को पकड़वाने, क्षेत्र में बढ़ते गुलदारों को वन विभाग द्वारा नियंत्रित करने, बीएसएफ की तर्ज पर एएसएफ गठन, 60 वर्ष से अधिक किसानों को ?10,000 मासिक पेंशन, गंगा बैराज से दतियाना-नाननौर तक तट निर्माण, किसानों का कर्ज माफ करने, धरवाड़ा व कमालपुर में नाला निर्माण, स्मार्ट मीटरों पर रोक और बामनसोरा के तालाब की सफाई जैसी प्रमुख मांगें उठाईं।

धरने के बीच पहुंचे एसडीएम

किसानों के आक्रोश को देखते हुए एसडीएम नितिन तेवतिया मौके पर पहुंचे और एडीओ पंचायत जलीलपुर से वार्ता कर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। उनके आश्वासन के बाद फिलहाल किसानों ने धरना स्थगित कर दिया।

अल्टीमेटमः 1 मई से अनिश्चितकालीन धरना

पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति 1 मई 2026 से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगी। किसानों ने साफ कहा कि इसके लिए पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। बड़ी संख्या में किसान रहे मौजूद

पंचायत में योगेंद्र सिंह काकरान, सतवीर सिंह, गजेंद्र सिंह, राजेश कुमार, ओंकार सिंह, नाथू यादव, नरेश भगत, कमल सिंह, कन्हैया, भूदेव यादव, गजराज सिंह, शूरवीर सिंह, सोनू कश्यप, टिल्लू भैया, नाजिम, हबीब, दयाराम सिंह, जितेंद्र सिंह, तरुण कुमार, भागेंद्र सिंह, ओमप्रकाश प्रजापति, सुधीर कुमार, रजनीश शर्मा, सनोज चौधरी, कुमारपाल सिंह, कालू त्यागी, धीरेंद्र त्यागी, बल्लू सैनी, डॉ. शमशाद अहमद सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

किसानों की इस चेतावनी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है और अब सबकी नजर इस बात पर है कि तय समय में समस्याओं का समाधान होता है या आंदोलन और तेज होता है।

जनगणना 2026-27 का बिगुल! चांदपुर में 300+ कार्मिकों की ट्रेनिंग, प्रशासन ने झोंकी पूरी ताकत

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । आगामी जनगणना 2026-27 को सफल और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से तहसील प्रशासन चांदपुर द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में तीन दिवसीय रोस्टरवार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ ने भाग लेकर जनगणना की बारीकियों को समझा।

कार्यक्रम में लखनऊ से आए मास्टर ट्रेनर जेपी यादव ने प्रतिभागियों को जनगणना प्रक्रिया, डेटा संकलन, घर-घर सर्वे, ऑनलाइन प्रविष्टि और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की नीतियों और योजनाओं की आधारशिला होती है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की देखरेख तहसीलदार/चार्ज अधिकारी आलोक कटियार द्वारा की गई, जिनके निर्देशन में पूरा आयोजन सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 12 से अधिक फील्ड ट्रेनरों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि 300 से अधिक शिक्षक, अध्यापक और विभिन्न विभागों के कार्मिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस दौरान प्रतिभागियों को जनगणना के विभिन्न चरणों, फॉर्म भरने की प्रक्रिया, डिजिटल डाटा एंट्री, सत्यापन प्रक्रिया और गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्हें बताया गया कि प्रत्येक जानकारी का सही और सटीक होना कितना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी आधार पर सरकार की भविष्य की योजनाएं तैयार होती हैं।

कार्यक्रम के सफल संचालन में उप जिलाधिकारी नितिन तेवतिया, तहसीलदार आलोक कटियार, नायब तहसीलदार पंकज राना, लेखपाल मोहित चौहान, लेखपाल अरुण कुमार कानूनगो, धीरज त्यागी सहित अन्य तहसील स्टाफ की अहम भूमिका रही।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनगणना 2026-27 को पूरी पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि जमीनी स्तर पर कोई भी कमी न रह जाए।

संदेश साफ चांदपुर तहसील प्रशासन ने इस प्रशिक्षण के माध्यम से साफ संकेत दे दिया है कि जनगणना को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी और हर स्तर पर तैयारी को मजबूत किया जा रहा है।

शक्ति का विराट संदेश! जलीलपुर में गूंजी महिलाओं के अधिकारों की हुंकार, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में ऐतिहासिक सभा

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/जलीलपुर । ब्लॉक जलीलपुर में नारी सशक्तिकरण को समर्पित एक भव्य और ऐतिहासिक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में क्षेत्रभर से महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम ने महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और भागीदारी को लेकर नई जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र चौधरी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में द हेजलमून स्कूल की निर्देशिका शक्ति अनिरुद्ध मित्तल, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमन त्यागी, ब्लॉक प्रमुख कुतेश देवी एवं मंडल अध्यक्षा मीनू राजपूत ने भी अपने विचार रखते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में नई पहचान देगा और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में मजबूत स्थान दिलाएगा। उन्होंने इसे महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को मजबूती देने वाला मील का पत्थर बताया। द हेजलमून स्कूल की निर्देशिका शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सरकार की योजनाएं अब केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका असर गांव-गांव और घर-घर में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा प्राप्त कर रही हैं, महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में उनका सम्मान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह सरकार महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ ही नहीं दे रही, बल्कि समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में शामिल कर रही है। सभा के दौरान यह भी बताया गया कि वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के भविष्य को नई दिशा देगा और आने वाले समय में उनकी भागीदारी को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने यह संकल्प लिया कि समाज में महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और अवसर दिलाने के लिए मिलकर प्रयास किए जाएंगे, ताकि हर घर में खुशहाली और हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित हो सके। जलीलपुर की इस ऐतिहासिक सभा ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब नारी शक्ति को आगे बढ़ाने का समय है और समाज में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे।

टैलेंट, ट्रेड और ट्रेंड का तड़का! हेजलमून स्कूल का 10वां फाउंडेशन डे बना एंटरप्रेन्योरियल कार्निवल का ग्रैंड शो

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । द हेजलमून स्कूल का 10वां फाउंडेशन डे इस बार सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता का शानदार संगम बनकर सामने आया। विद्यालय परिसर में आयोजित एंटरप्रेन्योरियल कार्निवल ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत और यादगार बना दिया, जहां विद्यार्थियों ने अपने हुनर और व्यावसायिक सोच का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका शक्ति अनिरुद्ध मित्तल द्वारा स्कूल की पहली मैगजीन अभ्युदय के फ्रंट कवर का भव्य विमोचन किया गया, जो विद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ। जब स्कूल बना मिनी मार्केट, 15 स्टॉल ने खींचा सबका ध्यान एंटरप्रेन्योरियल कार्निवल में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए 15 आकर्षक और क्रिएटिव स्टॉल पूरे कार्यक्रम का केंद्र रहे। इन स्टॉल्स ने न केवल बच्चों की रचनात्मकता को दशार्या, बल्कि उनकी व्यावसायिक समझ और आत्मनिर्भरता की झलक भी पेश की।

फूड, बेकरी, बेवरेज, गेम, आर्ट, ज्वेलरी, नेल आर्ट, हेयर स्टाइल और फोटोबूथ जैसे विभिन्न थीम पर आधारित स्टॉल्स में डिलाइट हब, चिल एंड ग्रिल, चंकी चटकारा, सॉल्टी सीक्रेट्स, द बेकर्स टेबल, सिपस्टर हब, महफि ल-ए-जायका, फनफिनिटी गेम जोन, क्राफ्टोपिया क्रिएशन, हैंडमेड मैजिक, स्नैपी स्टूडियो जैसे नाम खास आकर्षण बने। प्रतियोगिता में इन स्टॉल्स ने मारी बाजी कार्निवल के दौरान आयोजित प्रतियोगिता में:

प्रथम स्थानः चिल एंड ग्रिल (इंचार्ज झ मिस मिंटू)

द्वितीय स्थानः चंकी चटकारा (इंचार्ज झ मि. अभिषेक व मिस गुलफशा)

तृतीय स्थानः द बेकर्स टेबल (इंचार्ज झ मि. सौरभ व मिस राखी)

प्रेरणादायक संबोधनों ने बढ़ाया उत्साह

विद्यालय की निर्देशिका शक्ति मित्तल ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे मंच बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं।

विद्यालय के चेयरमैन अनिरुद्ध मित्तल ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया, जबकि प्रधानाचार्या गरिमा सिंह ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

शिक्षकों और कर्मचारियों का हुआ सम्मान

इस अवसर पर विद्यालय की स्थापना से जुड़े समर्पित शिक्षकों बीना सैनी, नसरीन अंसारी और हर्षित गोयल को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही कर्मचारी कांतेश और ड्राइवर विपिन कुमार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

उत्साह और उपलब्धियों के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास और विद्यालय की निरंतर प्रगति की कामना के साथ हुआ।

हेजलमून स्कूल का यह आयोजन साबित करता है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भर, रचनात्मक और भविष्य के लिए तैयार बनाने का सशक्त माध्यम भी है।

देर रात तेज आंधी से सड़क पर गिरा पेड़ चौधरपुर सेद नगली मार्ग पर बड़ा हादसा टला

लोगों की मदद से पेड़ों को हटाया गया

दैनिक बुलंद मंज़िल / शाकिब अली/ऐचौड़ा कम्बोह

ऐचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र में चितावली से आगे मुख्य मार्ग पर देर रात तेज आंधी के कारण तीन पेड़ गिर गए जिससे इससे चौधरपुर से सेद नगली मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया सूचना मिलने पर स्थानीय ग्रामीण और प्रशासन मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने ट्रैक्टरों की मदद से पेड़ों को हटाने का कार्य शुरू किया इस दौरान कई बड़ा हादसा होने से टल गया तेज हवा और रुक रुक कर हो रही बारिश के कारण कई राहगीर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए और उन्होंने रास्ते में ही रुकना पड़ा सड़क लगभग 1 घंटे से अधिक समय तक बंद रही जिससे दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई कड़ी मेहनत के बाद पेड़ों को हटाकर मार को खोला गया जिसके बाद आवागमन का सामान्य हो सका प्रशासन ने बचाव कार्य में पूरा सहयोग दिया।

आदमपुर में पुलिस अलर्टःबवाल से पहले ही युवक गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। जनपद में अपराध एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना आदमपुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चल रहे अभियान के अंतर्गत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में थाना आदमपुर पुलिस टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका के मद्देनजर एक अभियुक्त को हिरासत में लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अनिल पुत्र मंगलसेन निवासी ग्राम मरौरा, थाना आदमपुर, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को एसडीएम न्यायालय, हसनपुर में पेश किया गया। इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि किसी भी प्रकार की अशांति या अव्यवस्था को समय रहते रोका जा सके।

मां आंगनवाड़ी में, बेटा बना अधिकारी— परिवार और गांव में खुशी की लहर

अफसर बनने की खुशी–धर्मप्रकाश पवन का सम्मान करते भाजपा नेता विपिन सागर व समर्थक।

दैनिक बुलंद मंज़िल गजरौला। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के हालिया परिणामों में क्षेत्र के होनहार युवक धर्मप्रकाश पवन ने वाणिज्य कर अधिकारी के पद पर सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे इलाके का नाम रोशन कर दिया है। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके इस संघर्षपूर्ण सफर ने युवाओं के लिए एक मिसाल पेश की है।

धर्मप्रकाश पवन की माताजी उर्मिला देवी आंगनवाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत हैं। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले धर्मप्रकाश ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के दम पर यह मुकाम हासिल किया। उनके छोटे भाई सुमन प्रकाश मुरादाबाद में कृषि विभाग में कार्यरत हैं, जिन्होंने बताया कि धर्मप्रकाश का शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गहरा लगाव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2013 से 2015 तक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में की। इसके बाद उन्होंने एसएससी सीजीएल परीक्षा उत्तीर्ण कर जीएसटी एवं कस्टम्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर हैदराबाद में ज्वाइन किया। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई और तैयारी जारी रखी और आखिरकार वढढउर परीक्षा में सफलता प्राप्त कर वाणिज्य कर अधिकारी के पद तक पहुंचे। उनकी इस उपलब्धि के बाद जब वह अहरोला स्थित अपने रिश्तेदार के यहां पहुंचे, तो वहां उनका भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेता विपिन सागर सहित क्षेत्र के लोगों ने फूल-मालाओं और मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर लोगों ने उनकी सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

धर्मप्रकाश की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं पूरे गांव में जश्न जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि धर्मप्रकाश ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। यह सफलता न सिर्फ उनके व्यक्तिगत संघर्ष की जीत है, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

सीएम डैशबोर्ड में फेल अमरोहा डीएम का बड़ा एक्शन—अफसरों में मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जिले में विकास कार्यों की सुस्त रफ्तार और सीएम डैशबोर्ड पर गिरती रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स का कड़ा रुख देखने को मिला। विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने साफ शब्दों में कहा कि अब लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर विभाग को अपनी रैंकिंग सुधारनी ही होगी। बैठक में सीएम डैशबोर्ड के जरिए विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की बारीकी से समीक्षा की गई। सभी खंड विकास अधिकारियों समेत विभागीय अफसरों ने अपने-अपने कार्यों का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान कई विभागों की खराब रैंकिंग सामने आने पर डीएम का पारा चढ़ गया और उन्होंने संबंधित

सीएम डैशबोर्ड पर समीक्षा करते हुए विभागीय अफसरों के साथ बैठक करतीं डीएम

अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। सड़क निर्माण कार्यों में जिले की खराब स्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। वहीं, जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम को घर-घर कनेक्शन बढ़ाने और कार्य में तेजी लाने को कहा गया। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान व्यक्तिगत शौचालयों की जियो टैगिंग में प्रदेश स्तर पर खराब रैंकिंग मिलने पर डीएम ने कड़ा रुख अपनाया और जिला पंचायत राज अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। इसी तरह सामाजिक वनीकरण में जिले की स्थिति बेहद खराब पाए जाने पर डीएफओ को भी जवाबदेही तय करते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा गया। जिला उद्योग केंद्र और समाज कल्याण विभाग के कार्यों में सुस्ती पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही योजनाओं पर पूरी गति से काम शुरू किया जाए, ताकि प्रदेश में जिले की स्थिति बेहतर हो सके। बैठक में डीएम ने सभी विभागों को 25 से 31 अप्रैल के बीच अपने-अपने कार्यों की मॉनिटरिंग पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन बिंदुओं को शासन स्तर से जोड़ा गया है, उन पर तत्काल कार्य योजना तैयार करने को कहा। ह्लमिशन-500ह्व के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार कार्यों को समय से पूरा करने पर भी जोर दिया गया। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक गौशाला में डॉक्टर और एडीओ पंचायत की संयुक्त टीम बनाकर नियमित निरीक्षण कराया जाए। यदि कहीं कोई कमी मिले तो उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि गोवंश को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर फीड किए जाने वाले सभी आंकड़े समय पर और सही तरीके से अपडेट किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार, पीडी डीआरडीए अमरीश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल में महात्मा हंसराज जयंती श्रद्धा के साथ सम्पन्न

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

बबराला । डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल में महात्मा हंसराज जी की जयंती श्रद्धा, गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य आनन्द स्वरूप सारस्वत द्वारा दीप प्रज्वलित कर महात्मा हंसराज जी के चित्र पर पुष्पार्पण कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने उनके जीवन एवं आदर्शों पर आधारित नाटकीय प्रस्तुति दी, जिसमें शिक्षक-विद्यार्थी संवाद के माध्यम से उनके त्याग और समर्पण को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ह्लमहात्मा हंसराज की जयह्व गीत की सामूहिक प्रस्तुति ने वातावरण को प्रेरणादायी बना दिया। अपने संबोधन में प्राचार्य सारस्वत ने कहा कि महात्मा हंसराज का

जीवन सेवा, त्याग और राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पण का आदर्श उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि डीएवी संस्थान इस दिवस को ह्लसमर्पण दिवसह्व के रूप में मनाता है, जो निस्वार्थ सेवा का संदेश देता है। इसी क्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को महान चिंतक एवं वैज्ञानिक की जीवनी पढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उनके जीवन से अनुशासन, परिश्रम और आत्मनिर्भरता जैसे गुण सीखे जा सकते हैं। विद्यालय के चेयरमैन एवं यारा फर्टिलाइजर्स फैक्ट्री के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम एस प्रसाद ने अपने संदेश में विद्यार्थियों से अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार ने महात्मा हंसराज के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बंद कमरे में मिला फार्मासिस्ट का शव संयुक्त चिकित्सालय में मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। कोतवाली क्षेत्र के संयुक्त चिकित्सालय परिसर मे बंद कमरे से बदबू आने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे को दरवाजा तोड़ कर खुलवाया तो उसमें एक शव मिला जिसकी सूचना पर संयुक्त चिकित्सालय में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को लगभग 1:30 बजे कोतवाली पुलिस को फोन द्वारा सूचना मिली की संयुक्त चिकित्सालय परिसर में बंद पड़े पुराने कमरे से बदबू आ रही है। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे को खुलवाया

तो उसमें एक शव बरामद हुआ। जिसकी पहचान मोहन पाठक के रूप में उनकी पत्नी हेमा पाठक ने की। वही मृतक के भाई विजय पाठक ने बताया मोहन पाठक पुत्र किशोर दत्त (54) निवासी आवास विकास चन्दौसी मूल निवासी रानी खेत के नीरकोट उत्तराखंड लगभग 12 वर्षों से कैंसर से पीड़ित थे जिनके मुंह का तीन बार ऑपरेशन भी हो चुका था 14 अप्रैल की सुबह से उनका कहीं कोई पता नहीं चला काफी तलाश की जव उनका मोबाइल 15 अप्रैल के बाद बंद हो गया। तो जिसकी पत्नी हेमा पाठक ने इसकी सूचना थाना कोतवाली में दी और गुमशुदगी दर्ज कराई । जब शुक्रवार को मोहन पाठक का शव के वंद कमरे में मिला तो परिजनों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम को भेजा। वहीं संयुक्त चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर हरविंदर सिंह ने बताया की मोहन पाठक संयुक्त चिकित्सालय चंदौसी में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत थे और उनका व्यवहार बहुत ही अच्छा था।

जिलाधिकारी ने नारी शक्ति वंदन अभियान को लेकर बैठक का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। जिलाधिकारी कार्यालय पर जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण जन जागरण एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जमीनी स्तर पर व्यापक समर्थन को लेकर चर्चा की गयी।जिलाधिकारी ने इसके उद्देश्य के विषय में बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य महिलाओं में अधिकारों के प्रति जागरुकता बढाना तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के

समर्थन में जन आंदोलन तैयार करना। समाज के सभी वर्गों की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा महिला नेतृत्व एवं निर्णय क्षमता को सशक्त करना। जिलाधिकारी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में उचित स्थान दिलाने और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनाने वाला एक महत्वपूर्ण कानून है। बैठक के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा इस अभियान के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा नारी शक्ति पदयात्रा तथा नुक्कड़ नाटक, आदि पर चर्चा की गयी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा तथा डिप्टी कलक्टर वंदना मिश्रा, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, डीपीओ महेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, पुलिस ने शव सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

दैनिक बुलंद मंज़िल

जुनावई। थाना क्षेत्र के गांव दोपहर के समय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वहीं सूचना पर पहुंचे मृतका? के परिजनों ने पोस्टमार्टम की मांग की है। वहीं थाना पुलिस ने शव सील कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। गुन्नौर थाना क्षेत्र के गुन्नौर सराय कस्बे के रहने वाले युनूस ने अपनी बेटी फरहीन 19 वर्ष की शादी एक वर्ष पहले जुनावई थाना क्षेत्र के पतरिया गांव के रहने वाले शमशुल के साथ की थी। वहीं शुक्रवार दोपहर के समय फरहीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वहीं ग्राम प्रधान एवं ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा मायके पक्ष के लोगों को सूचना देकर अवगत कराया गया। वहीं सूचना के उपरांत देर शाम पहुंचे मयके पक्ष के लोगों में मृतका के ताऊ

मृतिका का फाइल फोटो

इदरीश के द्वारा मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की गई। वहीं थाना पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। जबकि सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम के द्वारा घटना से नमूने लिए गए हैं। जबकि इस मौके पर नायब तहसीलदार उदयवीर सिंह ने घटना का निरीक्षण किया गया है।

भाजपा विधानसभा चन्दौसी द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी । भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चन्दौसी द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत ब्लॉक सभागार बनियाखेड़ा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण एवं जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति, उनकी भूमिका एवं समाज में उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने इन प्रस्तुतियों की सराहना की। इसके पश्चात नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत पद यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। पद यात्रा के

माध्यम से समाज में महिला सशक्तिकरण, सम्मान एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव महिलाओं के सम्मान एवं उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रही है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में अधिक प्रतिनिधित्व देकर उन्हें निर्णय प्रक्रिया में बराबरी का अवसर प्रदान करना है। ब्लॉक प्रमुख डॉ सुगंधा सिंह ने कहा कि संपूर्ण देश में नारी शक्ति मोदी जी के इस निर्णय का हृदय से स्वागत और अभिनंदन कर रही हैं इसीलिए बड़ी संख्या में पूरे देश भर में पदयात्राएं स्कूटी के द्वारा रैली एवं सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है और मोदी जी को हृदय से अभिवादन कर रही हैं। यह कानून केवल आरक्षण नहीं, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक मजबूत माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मनोज कठेरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चौधरी हरेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा कार्यक्रम संयोजक ब्लॉक प्रमुख डॉक्टर सुगंध सिंह, साध्वी गीता प्रधान सुधीर मल्होत्रा, विकास वार्ष्णेय, उमा श्रीवास्तव, सीमा शर्मा, रेखा सैनी, पूजा राणा, गुड़िया सैनी, अंजू आर्य प्रजापति, राजकुमार यादव, विजय यादव,शिवेंद्र,राजपाल राणा, पुष्प लता पाल, रामपाल सिंह इंचार्ज साहब, पुष्पा,जमुना,प्रवेश, दानवती एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

वन विभाग पर मारपीट और अभद्रता का आरोप

ग्रामीणों ने कार्यवाही न होने पर धरना की चेतावनी दी

न्यूरिया। क्षेत्र के ग्राम मरोरी के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर वन विभाग के कर्मचारियों पर मारपीट और अभद्रता के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 3 मार्च 2026 की रात करीब 8:45 बजे गांव के कुछ बच्चे होलिका दहन के लिए जंगल के पास लकड़ियां एकत्र कर रहे थे, तभी वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चों को पकड़ लिया। शिकायत के अनुसार, बच्चों के शोर मचाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि महिलाओं के साथ भी अभद्रता की गई और उनके कपड़े तक फाड़ दिए

गए। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि वन विभाग के कर्मचारियों ने एक युवक का मोबाइल फोन और तीन हजार रुपये भी छीन लिए। पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण कराया गया, लेकिन अब तक मामले में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 19 अप्रैल 2026 तक रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई नहीं की गई, तो 20 अप्रैल को ग्रामीण5 सामूहिक रूप से धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। शिकायत लेकर पहुंचने वालों में लालाराम पुत्र श्री भूराराम, ओमप्रकाश पुत्र श्री ख्यालीराम, मेवाराम पुत्र श्री दरबारी लाल, अशोक कुमार पुत्र श्री होरी लाल, बंटी पुत्र श्री ख्याली राम, रूपलाल पुत्र श्री रिस्वई लाल,इमरता पुत्र श्री सुख लाल आदि लोग मौजूद रहे।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग मामले के आरोपी के खिलाफ रिपोट

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है मामला, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

दैनिक बुलंद मंज़िल

मुरादाबाद। युवती की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग करने के आरोपी जिम सेंटर संचालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह का कहना है कि जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में जिम संचालक सुहेल मलिक ने एक युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोप ह कि उसने अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी अब तक उससे चार लाख से ज्यादा रुपये हड़प चुके हैं। पुलिस ने आरोपी सुहेल मलिक और उसके साथी सादान सैफी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़िता का कहना है कि चार मार्च 2022 से जिम में जाना शुरू किया था। इसके कुछ दिन बाद उसे एक युवक परेशान करने लगा था। पीड़िता का कहना है कि जिम संचालक एवं सिविल लाइंस के हरथला मंगलवार वाली गली निवासी सुहेल मलिक ने उस आरोपी से उसका पीछा छुड़वाया था। इसके बाद आरोपी सुहेल मलिक ने पीड़िता पर तरह तरह से दबाव बनाना शुरू कर दिया। एक दिन पीड़िता को जिम पर रोक लिया और उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो भी बना ली। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उसे ब्लैकमेल करता और चार लाख रुपये से ज्यादा हड़प लिए। पीड़िता विरोध करती तो आरोपी धमकी देता कि वह उसे बदनाम कर देगा। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी सुहेल मलिक और उसके साथी सादान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार को भी दोनों की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद/अमरोहा

संभल
मंगलवार, 13 जनवरी 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ, छात्राओं को दी सुरक्षा व स्वावलंबन की जानकारी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। दयानंद आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में सामुदायिक समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में मिशन शक्ति 5.0 जन-जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सीमा रानी ने मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पवन जी, नीतू सक्सेना, तनीषा जी एवं शाहनवाज जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर नीतू सक्सेना ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है, जो उनके समग्र विकास और सशक्तिकरण हेतु समर्पित है। उन्होंने कहा कि हर नारी की सुरक्षा और सम्मान ही उसकी पहचान है तनीषा जी ने छात्राओं को महिलाओं और बालिकाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1090 महिला हेल्पलाइन नंबर महिलाओं की सहायता के लिए उपलब्ध है, जबकि 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को तुरंत सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं बालिकाओं के विकास को प्रोत्साहन देना है कार्यक्रम में छात्राओं को यातायात सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई तथा उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीतू द्वारा किया गया, जबकि संयोजन प्रोफेसर रितु दीक्षित ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय की सभी प्रवक्ता उपस्थित रहीं और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

ठाकुरद्वारा में अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल
सलमान यूसुफ

मुरादाबाद। थाना ठाकुरद्वारा पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में संचालित एक अवैध शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बने व अधबने तमंचे सहित भारी मात्रा में शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम ने गश्त और चेकिंग के दौरान रतुपुरा मोड़ के पास एक खाली प्लॉट से गोविन्दा निवासी फरीदपुर, थाना डिलारी को तीन अवैध तमंचों के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मोहल्ला सूफियान स्थित एक मकान पर छापा मारकर नाजिम और कासिम को भी गिरफ्तार कर लिया छापेमारी के दौरान पुलिस को 315 बोर और 12 बोर के तमंचे, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, शिकंजा, अर्धनिर्मित नाल और बाडी सहित बड़ी संख्या में हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मिलकर अवैध रूप से तमंचे बनाकर आर्थिक लाभ के लिए बेचते थे। इस काम में उनके अन्य साथी भी शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही उनके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है इस सफल कार्रवाई में थाना ठाकुरद्वारा पुलिस और एसओजी टीम के कई अधिकारियों व कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नारी शक्ति जागरूकता के लिए छात्राओं की पदयात्रा, पोस्टर प्रतियोगिता में मानसी कौशल अव्वल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर सीमा रानी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों एवं सामुदायिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में ह्यनारी वंदन अधिनियम कार्यक्रमह्ल के तहत नारी शक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के प्रथम सत्र में महाविद्यालय से बंग्ला गांव तक छात्राओं द्वारा पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान ह्यइस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारीह्ल और ह्यजीवन की परिभाषा है नारी, जगत जननी महान है नारीह्ल जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया द्वितीय सत्र में ह्यनारी शक्तिह्ल विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें एनएसएस की स्वयंसेविकाओं और अन्य छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में मानसी कौशल ने प्रथम, पलक ठाकुर ने द्वितीय तथा खुशी यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया निर्णायक मंडल में प्रोफेसर रितु दीक्षित एवं प्रोफेसर मनी बंसल शामिल रहीं। कार्यक्रम में एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीतू सिंह, श्रीमती विदुषी यादव, सामुदायिक सेवा समिति की संयोजिका प्रोफेसर रितु दीक्षित, डॉ. सुषमा, डॉ. अंजली उपाध्याय एवं डॉ. अभिलाषा बाजपेई सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जन समस्याओं पर शिवसेना का बड़ा फैसला, नहीं सुधरी व्यवस्था तो होगा जेल भरो आंदोलन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। शहर के होटल ग्रांड साई में आयोजित शिवसेना के चिंतन शिविर में आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज एवं बालासाहेब ठाकरे के चित्रों पर माल्यार्पण और भगवा तिलक लगाकर ह्जय भवानी, जय शिवाजीह्ल के उद्घोष के साथ किया गया। शिविर की अध्यक्षता जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने की चिंतन शिविर में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान और विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। शिवसेना, विद्यार्थी सेना, भवानी सेना और युवा शिवसेना के पदाधिकारियों ने आम नागरिकों की समस्याओं, उत्पीड़न तथा सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर गहरी चिंता व्यक्त की पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सेवा शिविर लगाए जाएंगे और घर-घर संपर्क कर संगठन को मजबूत किया जाएगा।जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना हमेशा से आम जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी यह कार्य जारी रहेगा। उन्होंने सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार और आम लोगों के उत्पीड़न के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन चलाने की बात कही। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो शिवसेना ह्जेल भरो आंदोलनह्ल शुरू करेगी कार्यक्रम में कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, अरुण ठाकुर, राजीव राठौर, बादाम सिंह, जीतू भाई, आकाश, राहुल, मधुबाला, तिलक राज शर्मा, शरद कपूर, विशाल सैनी, राजपाल, विनोद, सुरेश सैनी और अमित पंकज सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया चिंतन शिविर के माध्यम से संगठन ने जनता के हित में अपने संघर्ष को तेज करने का स्पष्ट संकेत दिया है।

दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे पर दबंगों का तांडव, युवक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, वीडियो वायरल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। गलशहीद थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब कुछ दबंगों ने बीच सड़क पर एक युवक पर हमला कर दिया। मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और पूरा क्षेत्र जंग के मैदान में तब्दील हो गया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दबंगों ने युवक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पीड़ित खुद को बचाने के लिए राहगीरों से मदद की गुहार लगाता रहा, लेकिन हमलावरों का कहर लगातार जारी रहा इसी दौरान किसी राहगीर ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो अब तेजी से फैल रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह युवक को बेरहमी से पीटा जा रहा है घटना के चलते हाईवे पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और राहगीरों में दहशत का माहौल पैदा हो गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मामूली कहासुनी के बाद विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है।

स्मार्ट मीटर शिकायतों के निस्तारण में तेजी, 45 हजार से अधिक मामलों का समाधान

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद / मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ढश्श्ठछ) द्वारा स्मार्ट मीटर एवं बिल रिवीजन से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में अब तक 45 हजार से अधिक शिकायतों का सफल समाधान किया जा चुका है। विभाग ने उपभोक्ता संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया है प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता (आईएएस) ने बताया कि स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक स्मार्ट मीटर से जुड़ी 24,995 शिकायतों का निस्तारण किया गया है, जिनमें से 11,905 शिकायतें भुगतान से संबंधित थीं। वहीं, बिल रिवीजन से जुड़ी 33,117 शिकायतों का समाधान कर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की गई है विभाग द्वारा शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु स्मार्ट मीटर सेल एवं बिल रिवीजन सेल की स्थापना की गई है, जिससे प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया जा सके। साथ ही, बिल रिवीजन शिकायतों का नियमित ऑडिट भी कराया जा रहा है, ताकि त्रुटियों की पहचान कर समय रहते सुधार किया जा सके जोनवार प्रगति के अनुसार, स्मार्ट मीटर भुगतान शिकायतों के निस्तारण में मुरादाबाद जोन में 1,736, मेरठ-1 में 1,596, गाजियाबाद-3 में 1,389, मुजफ्फरनगर में 1,051 और सहारनपुर में 953 शिकायतों का समाधान किया गया। वहीं, बिल रिवीजन के मामलों में मुरादाबाद में सर्वाधिक 5,568 शिकायतों का निस्तारण किया गया, जबकि मेरठ-2 में 2,967 और गाजियाबाद-1 में 2,663 मामलों का समाधान हुआ विभाग के अनुसार, अधिकांश शिकायतों का निस्तारण फोन कॉल के माध्यम से किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारी उपभोक्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। विभाग ने दावा किया है कि उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

रिजर्व पुलिस लाइन्स में बड़ा खाना आयोजन, अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों के साथ किया भोजन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। रिजर्व पुलिस लाइन्स में गुरुवार की रात प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों के साथ ह्बड़े खानेह्ल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र मुनिराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं जिलाधिकारी अनुज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की इस दौरान अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों के साथ आत्मीय माहौल में समय बिताया और स्वयं अपने हाथों से उन्हें भोजन परोसा। साथ ही उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। इस पहल से पुलिस परिवार के बीच आपसी जुड़ाव और विश्वास को मजबूती मिली कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभवों की जानकारी ली और उन्हें अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, टीम भावना एवं जनसेवा के प्रति समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों का मनोबल बढ़ाना, आत्मविश्वास विकसित करना और पुलिस परिवार में पारिवारिक वातावरण को सुदृढ़ करना रहा। अंत में अधिकारियों ने सभी रिक्रूट आरक्षियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें ईमानदारी व दृढ़ता के साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया इस अवसर पर अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री अब अनिवार्य : शिविरों में उमड़े किसान, डीएम ने किया जागरूक

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में किसानों को जानकारी देतीं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स

अमरोहा। नपद में किसानों को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री अभियान तेजी पकड़ता नजर आ रहा है। शुक्रवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गांव बरखेड़ा राजपूत और पलौला में विशेष फार्मर रजिस्ट्री शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में किसानों ने पहुंचकर अपनी रजिस्ट्री कराई और योजना के बारे में जानकारी ली। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में ग्राम टिकिया में भी शिविर लगाया गया। जिलाधिकारी ने शिविर के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि फार्मर रजिस्ट्री, जिसे किसान आईडी या ह्यगोल्डन कार्डह्ल भी कहा जा रहा है, अब किसानों के लिए एक अहम दस्तावेज बन चुकी है। इसमें किसान की पूरी भूमि का ब्यौरा दर्ज होता है, जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसलों की सरकारी खरीद, खाद-बीज की उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड, आपदा मुआवजा समेत कृषि, उद्यान, पशुपालन और सहकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है। डीएम ने बताया कि रजिस्ट्री होने के बाद किसानों को खाद लेने के लिए खतौनी दिखाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि केवल फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही उन्हें उनकी भूमि के अनुसार खाद उपलब्ध हो सकेगी। वहीं, क्रय केंद्रों पर फसल बेचते समय भी सत्यापन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। किसान क्रेडिट कार्ड तीन दिन के भीतर जारी हो सकेगा, जिससे किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिल पाएगी। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जो किसान अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं करा पाए हैं, वे जल्द से जल्द इसे पूरा करा लें। इसके लिए किसान अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र, लेखपाल, पंचायत सहायक या कृषि विभाग के कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, किसान स्वयं भी मोबाइल के माध्यम से ह्यसेल्फ रजिस्ट्रेशनह्ल मोड में अपनी या अपने परिवार के किसी सदस्य की रजिस्ट्री आसानी से कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री के लिए आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा खतौनी या गाटा संख्या शामिल हैं। प्रशासन द्वारा जनपद के सभी किसानों की रजिस्ट्री सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार कैंप लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में लेखपाल, पंचायत सहायक, कृषि विभाग के कर्मचारी और जन सेवा केंद्र संचालक मिलकर किसानों की मदद कर रहे हैं। उप निदेशक कृषि डॉ. राम प्रवेश ने बताया कि जनपद में संतृप्तिकरण अभियान के तहत तेजी से फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। अब तक अमरोहा के 82 प्रतिशत किसानों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है और इस उपलब्धि के साथ जनपद प्रदेश में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। शिविरों में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने किसानों को योजना के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ मौके पर ही रजिस्ट्री कराने के लिए प्रेरित किया।

पीड़ा से समाधान तक : डीएम दरबार में महिलाओं को मिला भरोसा

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर आयोजित ह्लहक की बात जिलाधिकारी के साथह्ल कार्यक्रम में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार एक तरह से ह्यन्याय मंचह्ल में तब्दील हो गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में महिलाओं ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर डीएम ने न सिर्फ गंभीरता से सुनवाई की बल्कि त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश भी दिए। ह्लमिशन शक्तिह्ल फेज-5 (चरण-2) के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और कन्या भ्रूण हत्या जैसे ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में सात महिलाओं ने अपनी-अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। कई मामलों में पीड़ित महिलाओं की आवाज में दर्द और बेबसी साफ झलक रही थी, जिसे डीएम ने संवेदनशीलता के साथ सुना और हर मामले में न्याय का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी महिला की शिकायत को हल्के में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों में आने वाली हर महिला की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू हिंसा के लंबित मामलों में दोनों पक्षों को बुलाकर ह्यवन स्टॉप सेंटरह्ल और थानों में स्थापित महिला शक्ति केंद्रों के माध्यम से पहले संवाद स्थापित कराया जाए, जिससे आपसी समाधान की संभावनाएं भी तलाशी जा सकें। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित छात्राओं से भी संवाद किया। कस्तूरबा गांधी विद्यालय, अमरोहा की छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जिज्ञासा या समस्या को बिना झिझक सामने रखना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और संसाधनों की कोई कमी नहीं है। ह्लआपकी इच्छाशक्ति और मेहनत ही आपकी सफलता की कुंजी है,ह्ल उन्होंने जोर देते हुए कहा। डीएम ने कहा कि ह्लमिशन शक्तिह्ल का उद्देश्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का वास्तविक अहसास कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिलाओं से जुड़े मामलों में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित प्रयास करने का संकल्प लिया। ह्लहक की बात जिलाधिकारी के साथह्ल कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि प्रशासन अब महिलाओं की आवाज को सिर्फ सुन नहीं रहा, बल्कि उसे न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम भी उठा रहा है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा/रामपुर/बरेली

संभल
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

5 घंटे का रेस्क्यू, लेकिन नहीं बच सकीं जानें–गंगा में डूबे दो दोस्त

दैनिक बुलंद मंज़िल/
रामवीर सिंह

मृतक सोहित का फाइल फोटो

मृतक अतुल कसाना का फाइल

रेस्क्यू के दौरान गंगा किनारे जमा भीड़, हर नजर लहरों पर टिकी रही

रहरा। बैसाखी अमावस्या के पावन अवसर पर जहां एक ओर गंगा तट श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से सराबोर था, वहीं थाना क्षेत्र के गांव पौरारा में स्थित गंगा घाट पर एक दिल दहला देने वाला हादसा घटित हो गया। गंगा स्नान के लिए आए आठ दोस्तों के समूह की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब उनमें से दो युवक गंगा की गहराई में समाकर हमेशा के लिए जिंदगी की जंग हार गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव फूलपुर निवासी अतुल (22 वर्ष) पुत्र विजय और शोभित (17 वर्ष) पुत्र विश्वपाल अपने साथियों के साथ दोपहर करीब 1:30 बजे गंगा में स्नान कर रहे थे। माहौल पूरी तरह उत्साह और उल्लास से भरा हुआ था। सभी दोस्त एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करते हुए स्नान का आनंद ले रहे थे, लेकिन अचानक एक पल ऐसा आया जिसने सबकुछ बदल दिया। बताया जा रहा है कि स्नान के दौरान अतुल और शोभित अनजाने में गहरे पानी की ओर बढ़ गए। गंगा का तेज बहाव और गहराई उनके लिए जानलेवा साबित हुई। देखते ही देखते दोनों युवक डूबने लगे। साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाकर उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही क्षणों में दोनों लहरों के बीच गायब हो गए। यह मंजर इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग भी सन्न रह गए। घटना की सूचना मिलते ही रहरा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरएफ टीम को भी मौके पर बुलाया गया। करीब 4 से 5 घंटे तक चले सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान घाट पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। हर किसी की निगाहें गंगा की लहरों पर टिकी थीं, मानो कोई चमत्कार हो जाए और दोनों युवक सुरक्षित मिल जाएं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। शाम ढलते-ढलते गोताखोरों ने दोनों युवकों के शव गंगा से बाहर निकाले। यह दृश्य इतना मार्मिक था कि वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि दोनों युवक आपस में गहरे मित्र थे और एक साथ ही गंगा स्नान के लिए आए थे। उन्होंने लोगों से अपील की कि गंगा स्नान के दौरान विशेष सतर्कता बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव फूलपुर में शोक की लहर दौड़ गई है। अतुल की मां सुमन और शोभित की मां अतुली का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवारों में मातम पसरा हुआ है, घरों में चूल्हे तक नहीं जले और हर चेहरा गम में डूबा नजर आ रहा है। यह घटना एक कड़वी सच्चाई को उजागर करती है कि आस्था के इस पावन पर्व पर भी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। गंगा की लहरें जितनी शांत दिखाई देती हैं, उतनी ही खतरनाक भी हो सकती हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को चाहिए कि वे सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करें, ताकि आस्था का पर्व किसी के जीवन का आखिरी दिन न बन जाए।

हैवानियत का अंजाम : 3 साल की बच्ची के गुनहगार को 60 दिन में मिली उम्रकैद सजा

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के तहत चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन और मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत अमरोहा पुलिस ने एक जघन्य अपराध में त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 60 दिन के भीतर दोषी को सजा दिलाकर एक मिसाल पेश की है। थाना सैदनगली क्षेत्र में 3.5 वर्ष की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी गजेन्द्र पुत्र मल्लाह निवासी ग्राम कुंदरकी भूड को धारा 65(2), 137(2) व 5ट/6 पोक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास (शेष जीवनकाल सहित) और 70,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण की शुरूआत वादिनी की तहरीर पर हुई, जिसके आधार पर 7 जनवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विवेचना के दौरान वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक कुमार व थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में साक्ष्यों का गहन संकलन किया गया और मात्र 27 दिनों में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक रतनलाल लोधी ने सशक्त पैरवी की, जबकि पैरोकार हेड कांस्टेबल राजकुमार सिंह ने गवाहों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराई। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में मॉनिटरिंग शाखा और थाना स्तर पर लगातार प्रभावी प्रयास किए गए। अंततः ठोस साक्ष्यों और मजबूत पैरवी के चलते न्यायालय ने 60 दिन के भीतर ही आरोपी को दोषी करार देते हुए सख्त सजा सुनाई। इस त्वरित न्याय से पीड़ित परिवार को राहत मिली है, वहीं आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

रंजिशन नर्सरी में लगाई आग, लाखों के पेड़ जलकर खाक

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिहाली जागीर निवासी एक किसान की नर्सरी में आग लगने से लाखों रुपये के पेड़ जलकर नष्ट हो गए। पीड़ित ने घटना के पीछे रंजिश का आरोप लगाते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, सिहाली जागीर निवासी अजमल खान पुत्र जमील खान की नर्सरी पड़ोसी गांव अगरौला कलां में स्थित है। नर्सरी के बाहर कुछ ग्रामीणों द्वारा कूड़ा डाला जाता रहा है। बुधवार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने इसी कूड़े में आग लगा दी, जो कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर गई। आग की लपटें तेजी से नर्सरी तक पहुंच गईं और वहां लगे सैकड़ों पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक नर्सरी में भारी नुकसान हो चुका था। पीड़ित अजमल खान का आरोप है कि किसी ने पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर कूड़े में आग लगाकर उसकी नर्सरी को नुकसान पहुंचाया है। इस संबंध में मनौटा चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रोटरी क्लब बरेली फ्रेगरेंस ने आयोजित की हस्बैंड-वाइफ नाइट

दैनिक बुलंद मंज़िल

रोटरी क्लब बरेली फ्रेगरेंस द्वारा एक यादगार हस्बैंड-वाइफ नाइट का आयोजन एक निजी होटल में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्यों ने अपने जीवनसाथियों के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न रोचक और मनोरंजक गेम्स का आयोजन किया गया, जिनमें कपल गेम्स, हाउसी एवं कई मजेदार एक्टिविटीज शामिल रहीं। पल गेम में संदीप मेहरा, मनीषा मेहरा तथा विवेक अग्रवाल, सीमा अग्रवाल ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें क्लब द्वारा आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। क्लब की चार्टर अध्यक्ष सुधा गुप्ता ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्लब में एक नई ऊर्जा का संचार करते हैं । कार्यक्रम को सफल बनाने में मुक्ता अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल,, नीरा अग्रवाल, ज्योति खुराना, सविता अग्रवाल, संगीता, रिचा अग्रवाल, ,शुभ्रा बंसल, उषा कुमार, आदि का सहयोग रहा।

पटवाई में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला बुजुर्ग का शव

दैनिक बुलंद मंज़िल

पटवाई । थाना क्षेत्र के चंदनपुर गांव के पास सड़क किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में एक बुजुर्ग का शव मिला । वही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर चंदनपुर गांव के सड़क किनारे अज्ञात बुजुर्ग का शव मिला। लोगों ने बताया कि बुजुर्ग गुरुवार से यहीं आसपास घूम रहा था। वही घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शब को पोस्टमार्टम को भेज दिया। वही पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के बाद भी शव की कोई पहचान नहीं हो सकी। थाना प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि अज्ञात शब मिला है शब को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शाहबाद में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भारत रत्न बाबा साहेब की निकाली शोभायात्रा

आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने फल मिठाई व शर्बत का किया वितरण

दैनिक बुलंद मंज़िल
/विनोद गुप्ता

रामपुर । शुक्रवार को जनपद की तहसील शाहबाद में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आजाद समाज पार्टी ने टेन्ट लगाकर फल मिठाई और शरबत का किया वितरण। बताते चलें कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर नगर में हर साल की भांति इस साल भी डॉ भीमराव अंबेडकर शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों लोग शामिल हुए इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के नगर अध्यक्ष शाहरुख राजा, उपाध्यक्ष नदीम राजा व नगर सचिव शावेज मियां व अन्य पदाधिकारी व सदस्यों ने कोतवाली शाहबाद के सामने मैदान में टेन्ट लगाकर अंबेडकर शोभायात्रा में शामिल लोगों व राहगीरों के लिये शरबत मिठाई और फल का वितरण किया। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती शोभायात्रा के अवसर पर नगर अध्यक्ष शाहरुख रजा भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवओम सागर के द्वारा संयुक्त रूप से महाराष्ट्र बैंड के मास्टर ताहिर को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।इससे पहले 14 अगस्त को डॉ भीमराव जयंती के अवसर पर समाज पार्टी के कार्यकताओं ने नगर अध्यक्ष शाहरुख रजा के नेतृत्व में धूमधाम के साथ बाबा साहब की 135वीं जयंती को मनाया गया था। इस अवसर पर आले हसन ,तौसीफ अहमद, जैद मियां, नावेद अहमद, आरिफ खान, अदनान शान, तालिब , शोएब रहे।

बोलेरो से टक्कर मार युवक को कुचलने का प्रयास, ग्रामीणों कोतवाली गेट पर किया प्रदर्शन

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर । कोतवाली क्षेत्र में एक युवक पर बोलेरो कार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। दावत से लौट रहे युवक की मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रुद्रपुर मजरा कनैटा निवासी रघुवीर पुत्र यादराम 16 अप्रैल की रात कमाल पैलेस में एक दावत में शामिल होकर अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। देर रात करीब 1:40 बजे जब वह रहरा अड्डे के पास पहुंचे, तभी गांव के ही एक युवक ने अपने अज्ञात साथी के साथ बोलेरो कार से उनका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि पेट्रोल पंप के निकट आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से रघुवीर की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद भी आरोपी नहीं रुके और उन्होंने दोबारा कार चढ़ाने का प्रयास किया। इस हमले में रघुवीर के पैर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान रघुवीर द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, जिन्हें आता देख आरोपी वहां से भागने लगे। हालांकि उनकी बोलेरो कार पास के खेतों में फंस गई, जिसे छोड़कर वे फरार हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और लावारिस हालत में कार को कब्जे में ले लिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कोतवाली गेट पर प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शन में जसपाल सिंह, अजय पाल सिंह, अमर सिंह, बीरबल, चंपत, फतेह सिंह, तेजपाल सिंह, वीरपाल, लखीचंद, नैनसिंह, देवेंद्र राणा और रविंद्र समेत कई लोग मौजूद रहे। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। घायल को मेडिकल के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई एक बार फिर आध्यात्म और स्वास्थ्य के अद्भुत संगम का बनेगा साक्षी

विश्व विख्यात मनोना धाम के महंत श्री श्री ओमेंद्र महाराज का भक्तों को उन्नीस अप्रैल का बेसब्र इंतजार

दैनिक बुलंद मंज़िल/
विनोद गुप्ता

रामपुर । देश विदेश मे जीवन धाम के नाम से विख्यात मनौना धाम की तरफ से महानगर मुंबई एक बार फिर आध्यात्म और स्वास्थ्य के अद्भुत संगम का साक्षी बनने जा रहा है। के डिवाइन कान्वेशन सेंटर लिंक रोड नियर एकसर मेट्रो स्टेशन वोरीवाली वेस्ट मुम्बई मे 19 अप्रैल 2026 दिन रविवार समय 9 बजे यहां एक भव्य आरोग्य यात्रा तथा आशीर्वाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें परम पूज्य महंत श्री श्री ओमेन्द्र महाराज जी श्री श्याम मंदिर मनौना धाम आंवला वरेली उत्तर प्रदेश के दिव्य उपस्थिति सानिध्य कार्यक्रम को विशेष बनाएगी। यह आयोजन सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं शामिल होगे इस विशेष आरोग्य यात्रा तथा श्याम भक्तो को आशीर्वाद कार्यक्रम आयोजन मनौना धाम पीठाधीश्वर महंत श्री ओमेन्द्र महाराज के सान्निध्य में होगा ,आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक व्यापक अभियान है। आज के आधुनिक और तेज रफ्तार जीवन में जहां तनाव, अवसाद और असंतुलित दिनचर्या लोगों की सेहत पर गहरा असर डाल रही है, वहीं यह आरोग्य यात्रा एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आ रही है। इस यात्रा के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा, योग, ध्यान और संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा पूज्य महंत श्री श्री ओमेन्द्र महाराज जी लंबे समय से समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने के साथ-साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जिनसे हजारों श्याम भक्तो को लाभ मिला है। वे हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि सच्चा स्वास्थ्य तभी संभव है, जब मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित हो। मनौना धाम भी एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है, जहां साधना, सेवा और समाजहित के कार्य निरंतर चलते रहते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को न केवल आध्यात्मिक शांति मिलती है, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है। आयोजकों ने शहरवासियों को आरोग्य यात्रा में आने वाले श्याम भक्तो के लिए हेल्प लाइन नम्बर 9004136155 जारी किया है जिससे सम्पर्क कर सकते है। बताते चलें कि इस सूचना से श्री श्याम कलयुग की सरकार के भक्तों में अपार खुशी देखने को मिल रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल प्रेस विज्ञप्ति

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली । महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 15 अप्रैल,2026 को महाप बन्धक सभाकक्ष ,गोरखपुर में संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 03 कर्मचारियों को ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसमें इज्जतनगर मंडल के उझानी स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत श्री अनुराग सिंह ने 19 फरवरी, 2026 को डाउन वी.सी. एन. मालगाड़ी के पास करते समय देखा कि वैगन संख्या-31082421447 का चक्का लाल है। आपने तत्परता दिखाते हुए गार्ड को लाल सिगनल दिखाकर गाड़ी को रूकवाया तथा चेक करने पर पाया कि वैगन के ब्रेक ब्लॉक जाम है, जिसे गार्ड एवं लोको पायलट द्वारा रिलीज कर संरक्षा पूर्वक चलाया गया। श्री सिंह की सतर्कता एवं सजगता से एक सम्भावित घटना को रोका जा सका। मंडल रेल प्रबंधक, सुश्री वीणा सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनोज कुमार सहित सभी शाखा अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने श्री देवेन्द्र कुमार को उनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया एवं साधुवाद दिया।

(संजीव शर्मा)
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,
इज्जतनगर मंडल।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
08

आशा भोसले के निधन के बाद बरेली मे झुमका सुर्खियों में अक्षय तृतीया पर झुमका पहनने को शुरू हो गयी खरीदारी गिफ्ट में देने का चलन हो गया झुमके का

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली । गायिका आशा भोसले के निधन के समाचार की सूचना के साथ ही बरेली में एक बार फिर " झुमका " सुर्खियों में आ गया है। महिलाओं ने अक्षय तृतीया पर झुमका की खरीदारी शुरू कर दी है। बरेली में ज्वैलर्स झुमका की बिक्री को लेकर उत्साहित हैं , वहीँ आर्टिफिशियल ज्वेलरी बेचने वालों ने दिल्ली में थोक में सप्लाई देने वालों को झुमका तत्काल बरेली भेजने को कहा है। वहीँ युवा पीढ़ी जो " झुमका " के बारे नहीं जानते हैं , वह उत्सुकता से जानना चाहते हैं। वहीँ युवा पीढ़ी झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में...गाना गूगल से निकाल कर गुन गुना रहे हैं। बरेली के बाजार में गिरा या नहीं... ये अलग बात है. लेकिन महान गायिका आशा भोसले. के गाए गीत झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में... से कारोबार को पंख लगे। यहां सोने और आर्टिफिशियल ज्वेलरी में सर्वाधिक बिक्री झुमके की है। उप निदेशक पर्यटन रविंद्र कुमार बताते हैं कि आशा भोसले की आवाज में गाया गया प्रसिद्ध गीत"झुमका गिरा रे" आज भी बरेली की सांस्कृतिक पहचान का सबसे मजबूत प्रतीक माना जाता है। वर्ष 1966 में रिलीज हुई फिल्म "मेरा साया" के इस गीत को मदन मोहन ने संगीतबद्ध किया था, जबकि इसे अभिनेत्री साधना पर फिल्माया गया था। यह गीत दशकों बाद भी लोगों की जुबान पर उसी ताजगी के साथ कायम है। इसी गीत ने बरेली को देशभर में एक अलग पहचान दिलाई, जिसके चलते शहर को ह्यझुमका सिटीह्व के नाम से लोग जानते हैं। श्री कुमार बताते हैं कि दूसरे जिलों, राज्यों व देश विदेश से आने वाले पर्यटक, तीर्थ यात्री , लोग रिश्तेदारी में पहली बार आते वह " झुमका " के बारे में अवश्य पूंछते हैं , " झुमका " गिरा कहाँ था , किस नामचीन हस्ती का झुमका गिरा था। बड़ी उत्सुकता से लोग , " झुमका " का इतिहास जानना चाहते हैं। नार्थ इण्डिया फूड एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार खंडेलवाल " राजू " ने जानकारी दी कि उनके व्यवसाय से जुड़े देश के कोने कोने के व्यापारी " झुमका " के बारे में बड़ी उत्सुकता से जानकारी चाह रहे हैं। आशा भोसले के निधन के एक बार फिर " झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में...गाना सुर्खियों में आ गया है। फूड ग्रेन व्यापारी " झुमका "के डिजाइन मंगा रहे हैं। रेल कैफे इज्जतनगर बरेली के संचालक संजीव कुमार "सोनू " बताते हैं कि रेल कैफे में आने वाले यात्री झुमका बाजार के बारे में पूंछते हैं। मल्टीनेशनल कम्पनी में सीनियर पोस्ट पर सेवारत श्रीमती प्रतीक्षा हर्षित खंडेलवाल ने जानकारी दी कि उसकी सहेली ने बेंगलुरु में "झुमका गिरा रे, बरेली के बाजार में.".यह गाना आशा भोसले के निधन के बाद सुना है। उसने अपने बर्थडे पर बरेली का झुमका गिफ्ट करने को कहा है। प्रतीक्षा का है की वह पहली बार अक्षय तृतीया पर झुमका सैट खरीदा है। प्रोफेसर डा अर्चना सिंह का कहना है कि बरेली से बाहर शादियों में मैं " झुमका का सैट गिफ्ट में देती हूँ। रिश्तेदारी में बरेली के " झुमका का सैट बहुत अप्रिशिएट किये जाते हैं। बरेली महानगर ज्वेलर्स एंड बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने बताया कि आशा भोसले के निधन के समाचार के बाद से महिलाओं में झुमका के प्रति रुझान अचनक बढ़ा है , अक्षय तृतीया पर झुमका की खरीदारी शुरू हो गयी है। वैसे बरेली लोकल के निवासी में झुमके की खरीददारी कम होती है , लेकिन बाहर से आने वाले लोग आर्थिक क्षमता के अनुसार झुमका जरूर खरीदते हैं। सोने के मीना झुमका,कान चेन झुमका, हल्के, भारी कई डिजाइन के बिकते हैं। बरेली के बाजार में पारंपरिक से लेकर आधुनिक शैली के सोने, डायमंड, कुंदन, पोलकी समेत हैंडमेड गोल्ड के साथ फैंसी और हल्के वजन के झुमके भी बिकते हैं। झुमके की पारंपरिक डिजाइन हाथ से बनाए जाते हैं। झुमके में मौना, कान चेन झुमका खूब बिकता है। झुमके का कारोबार सिर्फ गीत की वजह से मुमकिन हुआ।बरेली की आर्य समाज वाली गली में आर्टिफिशियल झुमके का कारोबार प्रतिदिन पांच से लेकर आठ लाख रुपए का होता है। आर्टिफिशियल झुमका पचास रुपए से बीस हजार रुपए तक के बिक रहे हैं। सोने के झुमके तो सोने के रेट पर आधारित हैं।

रफ्तार का कहरतीन अलग-अलग हादसों में किसान की मौत, युवक और ढाबा संचालक घायल

झुमका चौराहा से लेकर धनेटा और डेलापीर मंडी तक हादसों की कड़ी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। गुरुवार और शुक्रवार को तेज रफ्तार वाहनों ने जमकर कहर बरपाया। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए तीन सड़क हादसों में एक किसान की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मामलों में वाहन चालक मौके से फरार हो गए, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। झुमका चौराहे पर मौत का मंजरः ट्रक की टक्कर से किसान की जान गई थाना सीबीगंज क्षेत्र के डीरिया ठकुराइन गांव निवासी 55 वर्षीय चंद्रपाल सिंह की गुरुवार शाम झुमका चौराहे पर दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, वह घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए चौराहे पर बाइक से पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बारात से लौट रही घोड़ा-बग्गी बनी हादसे का शिकार थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में देर रात एक और बड़ा हादसा हुआ। सोडिया गांव निवासी 35 वर्षीय मूवीन बारात से लौट रहे थे, तभी धनेटा गांव के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी घोड़ा-बग्गी में टक्कर मार दी। हादसे में मूवीन और एक हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं लाखों रुपये की घोड़ा-बग्गी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और घोड़े भी बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। डेलापीर मंडी में कार का कहर, ढाबा संचालक के दोनों पैर टूटे इज्जतनगर थाना क्षेत्र के डेलापीर मंडी में शुक्रवार सुबह एक कार ने सड़क पार कर रहे ढाबा संचालक को टक्कर मार दी। सैनिक कॉलोनी निवासी पंकज कुमार शर्मा, जो ह्वपंडित जी का ढाबाह्व चलाते हैं, हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस कार और चालक की तलाश में जुटी है। फरार चालकों पर कार्रवाई कब तीनों ही मामलों में एक समान बात सामने आई हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर तेज रफ्तार और लापरवाही पर लगाम कब लगेगी? लगातार हो रहे सड़क हादसे बरेली में ट्रैफिक व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। एक ओर परिवार अपनों को खो रहे हैं, तो दूसरी ओर आरोपी चालक कानून से बच निकल रहे हैं। अब देखना होगा कि पुलिस इन मामलों में कितनी तेजी और सख्ती से कार्रवाई करती है।

इश्क से घर वापसी तक : मुस्कान खान बनीं मुस्कान यादव, बरेली के आश्रम में सात फेरे लेकर रचाई शादी

रामपुर की युवती ने प्रेम और आस्था के चलते अपनाया सनातन धर्म, परिवार के विरोध के बीच आकाश संग की विवाह की नई शुरूआत

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। एक प्रेम कहानी ने धार्मिक और सामाजिक सरहदों को पार करते हुए नया मोड़ ले लिया। रामपुर की रहने वाली मुस्कान खान ने स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाकर आकाश नाम के युवक के साथ हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। ह्यघर वापसीह्व और प्रेम विवाह की यह कहानी अब चर्चा का विषय बनी हुई है। मुस्कान खान (जन्म 1 जनवरी 2006, ग्राम थनापुर, थाना स्वार, जिला रामपुर) अब मुस्कान यादव बन चुकी हैं। उन्होंने 26 वर्षीय आकाश (निवासी पसियापुरा जनूबी, रामपुर) के साथ बरेली के सुभाषनगर थाना क्षेत्र स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम में सात फेरे लिए। बताया जा रहा है कि दोनों ने परिवार के विरोध के चलते घर छोड़कर शादी करने का निर्णय लिया। मुस्कान ने पहले आकाश को फोन कर शादी की इच्छा जताई थी। अलग-अलग धर्म होने के कारण परिवार के राजी न होने पर दोनों रामपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर बरेली पहुंचे और आश्रम में विवाह कर लिया। विधि-विधान से शुद्धिकरण और विवाह संस्कार आश्रम में पंडित के. के. शंखधार के सानिध्य में पहले मुस्कान का शुद्धिकरण कराया गया। गंगाजल और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गायत्री मंत्र का जाप कराया गया, जिसके बाद हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ। पहली मुलाकात से ह्यआई लव यूह्व तक की कहानी मुस्कान ने बताया कि करीब एक साल पहले आकाश उनके गांव आए थे, जहां पहली मुलाकात हुई। पहली नजर में ही उन्हें लगा कि आकाश उनके जीवनसाथी बन सकते हैं। उन्होंने ही पहल करते हुए आकाश से नंबर लिया और बातचीत शुरू की। धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदली और मुस्कान ने ही पहले ह्यआई लव यूह्व कहकर शादी का प्रस्ताव रखा। आकाश ने उन्हें अपने घर ले जाकर परिवार से मिलवाया, जहां उनके परिजन इस रिश्ते के लिए तैयार हो गए। लेकिन मुस्कान के परिवार ने साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों ने साथ रहने के लिए यह कदम उठाया।आस्था और विचारों से प्रभावित होकर लिया निर्णय मुस्कान का कहना है कि वह पिछले पांच वर्षों से भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़ी रही हैं और सनातन धर्म की परंपराएं उन्हें आकर्षित करती रही हैं।उनका मानना है कि इस धर्म में महिलाओं को सम्मान और स्वतंत्रता मिलती है, जिससे प्रभावित होकर उन्होंने यह निर्णय लिया।

फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में रिकॉर्ड सफलता

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली । फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) अंक हासिल किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, (पीडब्ल्यू विद्यापीठ), जो फिजिक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने बरेली में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। प्रमुख प्रदर्शनकताओं में शौर्य दुबे (97.40 प्रतिशत) शामिल रहे। अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा, नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की। अमोलिक पंडिता ने बताया, ह्वनियमित पुनरावृत्ति और नमूना प्रश्न पत्र हल करना मेरे लिए 100 प्रतिशत अंक लाने में बहुत सहायक रहा। आयुष्मान महापात्रा ने कहा, ह्वअनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा। परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलखपांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिजिक्सवाला ने कहा, ह्वहम परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हैं। विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने पूर्ण अंक हासिल किए। ये परिणाम निरंतर प्रयास और सही शैक्षणिक सहयोग प्रणाली को दशार्ते हैं। इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10 परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दशार्ता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नया ब्रेन फूड सोशल मीडिया की लत या मानसिक भूख का भ्रम, हमने चुना नहीं, लेकिन यह हमारी आदत बन गया...

दैनिक बुलंद मंज़िल

आज के डिजिटल दौर में हम जिस खाने का सबसे ज्यादा सेवन कर रहे हैं, वह न तो थाली में परोसा जाता है और न ही बाजार में बिकता है, यह है सोशल मीडिया। एक समय जो सिर्फ एक माध्यम था। वह आज हमारी दिनचर्या, आदत और मानसिक खुराक बन चुका है। आंखों से शुरू होकर दिमाग तक पहुंचने वाला भोजन सोशल मीडिया का यह ह्वब्रेन फूडह्व हमारी आंखों से शुरू होता है और धीरे-धीरे हमारे पूरे मानसिक स्पेस पर कब्जा कर लेता है। हम कब स्क्रॉल करना शुरू करते हैं, और कब घंटों बीत जाते हैं। इसका एहसास भी नहीं होता। दिन से रात तक यह हमें बांधे रखता है, लेकिन बदले में देता क्या है? थकान, खालीपन और बेचैनी। जुड़ाव के नाम पर बढ़ती दूरी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम पहले से ज्यादा ह्वकनेक्टेडह्व हैं,लेकिन पहले से ज्यादा अकेले भी। रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बातचीत कम हो रही है, और हम अपने ही लोगों के बीच रहकर भी मानसिक रूप से कहीं और खोए रहते हैं। ओवरलोड दिमाग, अंडरनरिश्ड मन लगातार जानकारी, नोटिफिकेशन और कंटेंट की बाढ़ ने हमारे दिमाग को इतना भर दिया है कि अब उसमें स्पष्टता और शांति की जगह कम होती जा रही है। नींद प्रभावित हो रही है, तनाव और चिंता बढ़ रही है, और मन स्थिर रहना भूलता जा रहा है। तुलना और असंतोष का जाल सोशल मीडिया पर दिखने वाली ह्वपरफेक्ट लाइफह्व हमें अपनी वास्तविक जिंदगी से असंतुष्ट करने लगती है। हम दूसरों की हाइलाइट्स से अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की तुलना करने लगते हैं, जिससे आत्मविश्वास और संतोष दोनों प्रभावित होते हैं। हर पल ऑनलाइन, असल जिंदगी ऑफलाइन ाने की मेज हो या परिवार के साथ बिताया समय, अब हर जगह स्क्रीन हावी है। हम पलों को जीने के बजाय उन्हें पोस्ट करने में ज्यादा व्यस्त हो गए हैं। धीरे-धीरे हम ह्वजीनाह्व भूलते जा रहे हैं। यह हैं समाधान-स्क्रीन से दूरी, खुद से नजदीकी इस समस्या का हल जटिल नहीं, बल्कि बेहद सरल है, स्क्रीन टाइम कम करना है। खाने के समय फोन से दूरी होनी चाहिए। सोने से पहले स्क्रॉलिंग बंद करें। सुबह उठते ही स्क्रीन से दूरी हो। दिन में कुछ समय खुद के लिए छोटे-छोटे कदम ही बड़े बदलाव लाते हैं। वास्तविक दुनिया से फिर जुड़ने की जरूरत किताब पढ़ना, शांत बैठना, बिना हेडफोन के टहलना और आमने-सामने बातचीत करना, ये छोटी चीजें हमें फिर से संतुलित करती हैं। यही असली ह्वब्रेन फूडह्व है, जो हमें सुकून देता है।

बी-फार्मा छात्र की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला छात्र, परिवार ने उठाए गंभीर सवाल

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। बी-फार्मा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बदायूं जनपद के थाना दातागंज क्षेत्र के मोहल्ला हरेला निवासी 21 वर्षीय रामकिशोर का शव बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र की पट्टी गली स्थित उसके किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने इस घटना को हत्या करार देते हुए पुलिस पर निष्पक्ष जांच का दबाव बनाया है। मृतक रामकिशोर बी-फार्मा तृतीय वर्ष का छात्र था और फरीदपुर क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहा था। परिवार के अनुसार, वह 5 अप्रैल को पूरी तरह सामान्य हालत में घर से पढ़ाई के लिए निकला था। किसी भी प्रकार के तनाव, विवाद या प्रेम प्रसंग की बात सामने नहीं आई है। पड़ोसियों ने दी सूचना, कमरे में लटका मिला शव गुरुवार शाम पड़ोसियों ने परिवार को फोन कर बताया कि रामकिशोर अपने कमरे में रस्सी के सहारे फंदे पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर शव को नीचे उतारा। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पिता बोलेह्वमेरे बेटे की हत्या हुई है पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता बाबूराम ने बेटे की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए साफ तौर पर हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पिता का कहना है कि उनका बेटा किसी विवाद में नहीं था, ऐसे में यह घटना बेहद संदिग्ध है। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मां शिवकांता का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पिता बाबूराम मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इकलौते बेटे की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ठगी का नया तरीका : पुलिस चेकिंग का डर दिखाकर बुजुर्ग महिला से जेवरात उड़ाए

बारादरी थाना क्षेत्र में वारदात, दो अज्ञात ठग फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो शातिर ठगों ने ह्वपुलिस चेकिंगह्व का झांसा देकर एक बुजुर्ग महिला से सोने के जेवर ठग लिए। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। नवादा शेखान निवासी अर्जुन कुमार की माता रामश्री 14 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5:30 बजे बाईपास रोड पर टहलने निकली थीं। जब वह डॉ. देवेश गुप्ता के अस्पताल के पास पहुंचीं, तभी दो अज्ञात युवक उनके पास आए। दोनों ठगों ने खुद को जानकार बताते हुए कहा कि आगे पुलिस चेकिंग चल रही है और सोने के जेवर पहनने वालों से उनके बिल मांगे जा रहे हैं। ठगों ने महिला को डराते हुए सलाह दी कि वह अपने जेवर एक रुमाल में रख लें। झांसे में आकर दे दिए जेवर ाहिला उनकी बातों में आ गईं और उन्होंने अपने कानों के कुंडल (करीब 5 ग्राम) और अंगूठी (करीब 3 ग्राम) ठगों द्वारा दिए गए रुमाल में रख दिए। ठगों ने कहा कि आगे जाकर रुमाल खोल लेना। लेकिन जब महिला ने कुछ दूरी पर जाकर रुमाल खोला, तो उसमें कुछ भी नहीं था। तब उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हो चुकी है। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक दोनों ठग मौके से फरार हो चुके थे। पीड़ित के बेटे अर्जुन कुमार ने थाना बारादरी में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बिजली विभाग कर्मचारी पर जानलेवा हमला, लोहे की रॉड से फोड़ा सिर कार्यालय में घुसकर दबंगों की दबंगई

पुरानी रंजिश में पूर्व कर्मचारी ने साथियों संग बोला हमला, 112 पर दी सूचना पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में एक बिजली विभाग से जुड़ी कंपनी के कर्मचारी पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पूर्व कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कार्यालय में घुसकर मारपीट की और लोहे की रॉड से सिर पर वार कर दिया, जिससे पीड़ित लहूलुहान हो गया। पीड़ित कय्यूम पुत्र सगीर निवासी ग्राम अधकटा थाना बरखेड़ा, जनपद पीलीभीत के अनुसार वह 16 अप्रैल 2026 को हरूनगला स्थित जेएसपी स्कूल के पास अपने कार्यालय में मौजूद था। तभी उसकी टीम में पहले कार्य कर चुका शिवम यादव अपने साथी अजय यादव व अन्य अज्ञात लड़कों के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि आते ही सभी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने हमला कर दिया और लोहे की रॉड से कय्यूम के सिर पर वार कर दिया, जिससे गंभीर चोट आई और काफी खून बहने लगा। स्टाफ के पहुंचने पर भागे आरोपी पीड़ित के शोर मचाने पर कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी। पीड़ित ने थाना बारादरी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बारादरी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाथरस में उद्यमी विधवा-दिव्यांग महिला से चौध बसूली व जान से मारने के मामले में पुलिस खाली हाथ, नही हुई कोई गिरफ्तारी, डीआई जी से शिकायत

मोहता आयुर्वेदिक फैक्ट्री की संचालक ने लगाई न्याय की गुहार, पुलिस पर निष्क्रियता के आरोप

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद के थाना हाथरस गेट क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई न होने से परेशान एक 60 वर्षीय विधवा एवं दिव्यांग महिला ने उच्च अधिकारियों से न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि अवैध उगाही, जान से मारने की धमकी और अवैध हथियारों के खुले प्रदर्शन के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, औद्योगिक एस्टेट अलीगढ़ रोड निवासी निवेदिता मोहता ने बताया कि 8 अप्रैल 2026 को कुछ आरोपी उनके कार्यालय में जबरन घुस आए और गाली-गलौज करते हुए 5 लाख की उगाही की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें और उनके पुत्र को जान से मारने

की धमकी दी। इस संबंध में थाना हाथरस गेट में एफआईआर दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़िता का कहना है कि घटना के दौरान आरोपियों ने अवैध हथियारों का खुलेआम प्रदर्शन किया, जिसका पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड है। इसके बावजूद न तो हथियार जब्त किए गए और न ही उनके लाइसेंस की जांच की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने हथियार लहराए, वे वैध लाइसेंसधारी भी नहीं थे। मामले को और गंभीर बताते हुए पीड़िता ने कहा कि पुलिस ने आरोपियों को अगले ही दिन धारा 151 के तहत एसडीएम न्यायालय से रिहा कर दिया, जिससे उनके हौसले और बढ़ गए हैं। रिहाई के बाद आरोपी लगातार उन्हें धमका रहे हैं, जिससे पूरा परिवार भयभीत है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उनके प्रतिष्ठान "स्पाइसी दावत" में करीब तीन वर्ष पहले एक युवती की हत्या का मामला भी सामने आया था, जिसमें अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने आशंका जताई है कि उसके साथ किसी भी समय गंभीर घटना हो सकती है। उन्होंने अपने जीवन और सुरक्षा के अधिकार (अनुच्छेद 21) का हवाला देते हुए उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी, हथियारों की जब्ती और उनके लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। साथ ही पीड़िता ने खुद और अपने पुत्र को तत्काल पुलिस सुरक्षा प्रदान करने तथा संबंधित थाना पुलिस की भूमिका की विभागीय जांच कराने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक उन्हें अंतरिम सुरक्षा मिलना अत्यंत आवश्यक है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और पीड़िता को कब तक न्याय मिल पाता है।

काम के बहाने बुलाकर युवक से बेरहमी से मारपीट, हालत गंभीर, पत्नी ने थाने में की शिकायत

काम करने के बहाने ले गए थे नामजद लोग, उन्होने ही जानलेवा हमले की घटना

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव लरौठा में एक व्यक्ति के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित की पत्नी ने थाने में तहरीर देकर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार गांव लरौठा निवासी श्यामा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 अप्रैल को गांव के ही शिवनारायण, नेम सिंह, मुकेश और सतीश उसके पति राजेश को काम के बहाने घर से बुलाकर ले गए थे। आरोप है कि इन लोगों ने उसके पति के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। महिला का कहना है कि आरोपी उसके पति को अचेत अवस्था में गाड़ी से ले जाकर रात करीब 9:30 बजे बांगला हॉस्पिटल

में भर्ती कराकर चले गए। करीब 12 घंटे बाद उसके पति को होश आया। वर्तमान में घायल का अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उसके तीन ऑपरेशन किए जाने की बात डॉक्टरों द्वारा कही गई है। पीड़िता ने बताया कि उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं और पति की हालत गंभीर होने के कारण परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। महिला ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

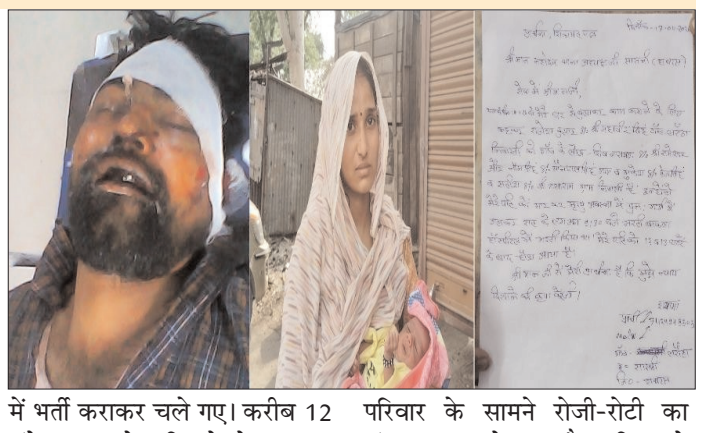

शिक्षा चौपाल सिर्फ चर्चा नहीं, बदलाव की दिशा है : डॉ राघवेंद्र शर्मा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। कंपोजिट स्कूल नत्थू रमपुरा में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिथरी चैनपुर के विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला बेसिक अधिकारी डॉ विनीता, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल के साथ साईं मंदिर के महंत एवं शिरडी साई सेबा ट्रस्ट रजिस्टर्ड बरेली के सरबराकार पंडित सुशील पाठक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा द्वारा बालवाटिका कक्ष का शुभारंभ किया गया एवं कक्षा एक के छात्रों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरित की गई। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ विनीता द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया एवं बताया गया कि

विभाग लगातार बच्चों को मूलभूत सुविधाएं देने के लिए बेहतर प्रयास कर रहा है।शिक्षकों का भी कर्तव्य है कि वह भी पूरी मेहनत से बच्चों को पढ़ाए और अभिभावकों को जागरूक कर बच्चों की उपस्थिति विद्यालय में निरंतर बनाए रखने में सहयोग प्राप्त करें। पंडित सुशील पाठक द्वारा विद्यालय में समय समय पर छात्र हित में किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया गया और बताया गया कि ऐसे कार्यक्रम होने से अभिभावकों का भरोसा परिषदियों विद्यालयों की तरफ बढ़ता है, इस दौरान उन्होंने विद्यालय स्टाफ की भी तारीफ की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली के जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने सभी अतिथियों का धन्यवाद प्रेषित किया एवं बताया कि दिन प्रति दिन स्कूलों में शिक्षा के स्तर में वृद्धि हो रही है, समस्त शिक्षक मेहनत से अपना अपना कार्य कर रहे है। इस कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार, ग्राम प्रधान वीरपाल, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी, ब्लॉक मंत्री अजय कुमार, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका गुले राना सहित समस्त शिक्षक एवं समस्त एआरपी एवं संकुल शिक्षक, शुभम, आईजा बेला, नीरज रानी, इला मंडल के साथ शिक्षा समिति के अध्यक्ष के साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी व अभिभावक उपस्थित रहे।

सेटलाइट बस स्टैंड पर देर रात पुलिस का छापा,शराब पीते 10 लोग गिरफ्तार

रात 11 बजे बारादरी पुलिस की कार्रवाई, सार्वजनिक स्थान पर शराबखोरी करने वालों में मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में सेटलाइट बस स्टैंड के पास देर रात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खुले में शराब पी रहे 10 लोगों को पकड़ लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 11 बजे थाना बारादरी पुलिस को सूचना मिली कि सेटलाइट बस स्टैंड के आसपास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पी रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर 10 लोगों को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि सभी लोग खुलेआम शराब का सेवन कर रहे थे, जिससे आसपास के लोगों को असुविधा हो रही थी और माहौल भी खराब हो रहा था। पकड़े गए लोगों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने और शांति भंग करने की धाराओं में कार्रवाई की गई है। थाना बारादरी पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की गतिविधियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी ऐसे स्थानों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

फर्जी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर घूम रहा युवक धराया, बाइक सीज

नंबर प्लेट पर 'President' और राष्ट्रीय अध्यक्ष लिखकर दिखा रहा था रौब

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। पुलिस ने एक युवक को फर्जी पद का रौब झाड़ते हुए पकड़ लिया। युवक अपनी बाइक पर ह्यराष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री महाकाल भारतीय सेनाह्ल लिखकर बिना नंबर प्लेट के घूम रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाइक को सीज कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, युवक का नाम पहले अनिकेत मिश्रा बताया जा रहा था, लेकिन जांच में उसकी पहचान अनिकेत शर्मा के रूप में हुई। युवक अपनी बाइक पर ह्यढ१ी२ील्ल३ह्ल और ह्यराष्ट्रीय अध्यक्षह्ल लिखकर लोगों पर रौब जमाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस चेकिंग के दौरान जब वाहन को रोका गया तो बाइक पर वैध नंबर प्लेट नहीं पाई गई। साथ ही उस पर लिखे पद को लेकर भी युवक कोई वैध प्रमाण नहीं दिखा सका। इस पर पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए बाइक को मौके पर ही सीज कर दिया। युवक को कड़ी चेतावनी भी दी गई है कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोबारा न करे।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में छात्राओं ने जीवंत की रानी लक्ष्मीबाई की गाथा

छात्राओं की प्रस्तुतियों ने दिखाया नारी सशक्तिकरण का संदेश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी विद्यापीठ इंटर कॉलेज, सासनी में ह्यनारी शक्ति वंदनह्ल अभियान के अंतर्गत भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अलीगढ़ से आए मुख्य अतिथि इंजीनियर के.सी. शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन, वीरता और त्याग पर आधारित नाटकों व गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के जयघोष से गूंज उठा। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि नारी सशक्तिकरण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

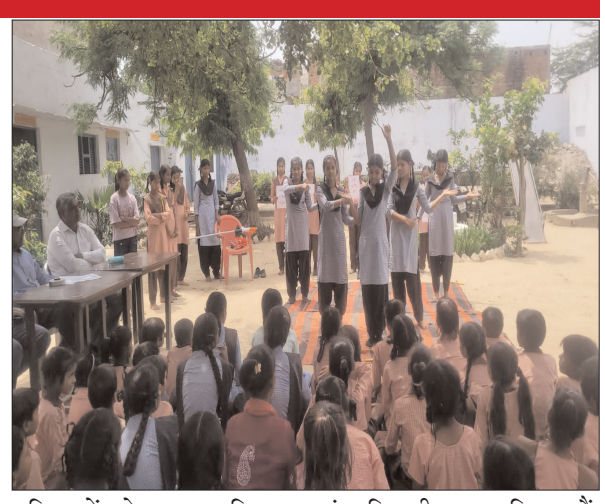

महिलाओं को समान अधिकार और अवसर मिलने से ही समाज और देश का समग्र विकास संभव है। प्रधानाचार्य डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि महिलाएं शिक्षा और संस्कृति की आधारशिला हैं तथा आज वे हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सासनी कोतवाली को मिली नई कमान, थाना प्रभारी बनी विपिन चौधरी -कानून व्यवस्था बेहतर बनाए रखने पर दिया जोर

चार्ज संभालते ही शख्त दिखी विपिन चौधरी, दरोगाओं को दिए निर्देश, अपराध पर लगे लगाम

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने मिशन शक्ति अभियान के तहत सासनी कोतवाली की कमान प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी को सौंप दी है। उन्होंने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है और आते ही सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। कार्यभार संभालने के बाद प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी ने थाने के सभी उपनिरीक्षकों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गश्त

व्यवस्था को मजबूत किया जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा संबंधी मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता बरतने के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से टीमवर्क के साथ कार्य करने और जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की।

बिजली विभाग कर्मचारी पर जानलेवा हमला, लोहे की रॉड से फोड़ा सिर कार्यालय में घुसकर दबंगों की दबंगई

पुरानी रंजिश में पूर्व कर्मचारी ने साथियों संग बोला हमला 112 पर दी सूचना पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में एक बिजली विभाग से जुड़ी कंपनी के कर्मचारी पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पूर्व कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कार्यालय में घुसकर मारपीट की और लोहे की रॉड से सिर पर वार कर दिया, जिससे पीड़ित लहूलुहान हो गया। पीड़ित कय्यूम पुत्र सगीर निवासी ग्राम अधकटा थाना बरखेड़ा, जनपद पीलीभीत के अनुसार वह 16 अप्रैल 2026 को हरूनगला स्थित जेएसपी स्कूल के पास अपने कार्यालय में मौजूद था। तभी उसकी टीम में पहले कार्य कर चुका शिवम यादव अपने साथी अजय यादव व अन्य अज्ञात लड़कों के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि आते ही सभी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने हमला कर दिया और लोहे की रॉड से कय्यूम के सिर पर वार कर दिया, जिससे गंभीर चोट आई और काफी खून बहने लगा। स्टाफ के पहुंचने पर भागे आरोपी पीड़ित के शोर मचाने पर कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी। पीड़ित ने थाना बारादरी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बारादरी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी ने गेहूं क्रय केन्द्र का किया औचक निरीक्षण लापरवाही बरतने वालों पर होगी शख्त कार्यवाही

खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के दिए निर्देश, किसानों की सुविधा पर विशेष जोर

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने खाद्य विभाग के अंतर्गत संचालित गेहूं क्रय केन्द्र, नवीन मंडी स्थल (हाथरस द्वितीय) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बोरे की उपलब्धता की जानकारी ली। मौके पर 1583 जूट बोरे एवं 1710 पीपी बोरे उपलब्ध पाए गए। इसी दौरान ग्राम खुटीपुरी निवासी किसान अनिल कुमार कौशिक से 30 कुन्तल गेहूं की खरीद भी की गई। जिला खाद्य विपणन अधिकारी कमला प्रसाद यादव ने बताया कि केन्द्र का कुल लक्ष्य 1000 मीट्रिक टन निर्धारित है। जिलाधिकारी ने नमी मापक यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक कांटे, डस्टर एवं पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण

कर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिए कि यूआरएस एवं एफएक्यू श्रेणी के गेहूं के साथ वर्षा प्रभावित (लस्टर लॉस) गेहूं की भी नियमानुसार खरीद की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही टोकन व्यवस्था के अनुसार तौल सुनिश्चित कर पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश भी दिए जिलाधिकारी ये भी कहा है कि किसानों के साथ किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी अगर कोई अधिकारी ऐसा करता तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत हाथरस में भव्य आयोजन, महिला आरक्षण अधिनियम पर प्रभावी महिलाओं ने किया समर्थन

राजनीति में 33% आरक्षण से बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। महिला सशक्तिकरण और उनके सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत पुलिस लाइन ऑडिटोरियम, हाथरस में एक भव्य कार्यक्रम एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद की प्रभावी एवं प्रतिष्ठित महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर डॉ. पवित्रा विद्या अलंकार (अधिष्ठात्री, कन्या गुरुकुल सासनी), श्रीमती प्रियंका सरोज (प्रोफेसर, आर.डी. डिग्री कॉलेज), डॉ. दीपिका शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), अधिवक्ता सुश्री ऋतु गौतम तथा सहायक अध्यापिका नीलम देवी सहित अन्य प्रमुख महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल

करना है। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह अभियान 16 अप्रैल 2026 से पूरे उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया है। यह पहल महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वक्ताओं ने कहा कि यह कानून महिलाओं को केवल मतदाता ही नहीं, बल्कि नीति-निमार्ता बनने का अवसर प्रदान करता है। प्रेस वार्ता के दौरान महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने की अपील करते हुए मो. नं. 9667173333 पर मिस्ड कॉल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा नारी शक्ति पर आधारित कविताओं का पाठ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सम्मान, समानता और नेतृत्व के नए युग की शुरूआत है तथा यह देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगा।

CMYK

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

The Geometric Logic of Justice: Why the Twin Pillars of Reservation and Delimitation are Non-Negotiable

Sheena Sandhu
A retired civil servant

For decades, the Indian Republic has functioned on a mathematical paradox. We celebrate ourselves as the world's largest democracy, yet our primary legislative altar—the Lok Sabha—remains a space where the floor test of gender parity fails with rhythmic consistency. As Parliament convenes for this crucial session in April 2026, the introduction of the Constitution (131st Amendment) Bill and the Delimitation Bill marks a definitive shift from rhetorical commitment to structural overhaul.

The skepticism surrounding the linkage of the Nari Shakti Vandan Adhiniyam (2023) to a fresh delimitation exercise is understandable in a political climate that prizes immediacy. However, a deeper dive into the constitutional and demographic fabric of India reveals that these are not two separate bureaucratic hurdles; they are the twin pistons of a single engine. To implement one without the other would be to invite a representative crisis that the Republic can ill afford.

The Imperative of the 'Third'

The statistics remain a well-worn indictment of the status quo. Despite women's voter turnout now rivaling or exceeding men's across various states, their presence in the Lok Sabha has crawled from 5 per cent in 1952 to approximately 14 per cent today. This is not merely a "women's issue"; it is a democratic deficit. When nearly half the population is sidelined from the sanctum sanctorum where laws are drafted, the resultant policy framework inevitably suffers from a lack of lived-experience perspective.

The 106th Amendment Act (2023) was the long-overdue corrective surgery. By mandating a 33 per cent reservation, India is acknowledging that the "merit" argument has long been a convenient cloak for patriarchal gatekeeping. The success of the 73rd and 74th Amendments at the Panchayat level—where over 1.4 million women now lead—serves as our indigenous proof of concept. Longitudinal studies have shown that female leadership at the grassroots translates into higher investment in drinking water, sanitation, and primary health—the "soft" infrastructure that forms the hard foundation of a developing economy.

Why Delimitation is the Necessary Companion

The critique that reservation should have been "immediate" often ignores the existential realities of the Indian electorate. The last time Lok Sabha seats were significantly restructured based on population was in the 1970s. Since then, the demographic landscape has shifted fundamentally. Linking women's reservation to the 2026 delimitation exercise is a masterstroke of political pragmatism for three reasons:

1. Expanding the Pie, Not Just Slicing It

The 131st Amendment Bill proposes to increase the Lok Sabha's maximum strength from 543 to 850 seats. This expansion is the only viable way to introduce roughly 280 women MPs without a "zero-sum" conflict. In a traditional house, carving out 33 per cent for women would necessitate unseating nearly 200 incumbent male lawmakers—a move that would trigger immense internal party friction and potential sabotage. By expanding the House, we create space for new female leadership while maintaining the proportional representation of existing stakeholders.

2. Accuracy of Representation The census-delimitation-reservation pipeline ensures that the seats reserved for women—including the vital sub-quotas for Scheduled Caste and Scheduled Tribe communities—are based on contemporary demographic data. To reserve seats based on 1971 population figures would be to bake historical inequity into a bill designed for future equality.

3. Federal Balance

Delimitation has long been a "third rail" of Indian politics, with southern states fearing a loss of voice due to their success in population control. By synchronizing this with women's reservation, the government is attempting a grand bargain: a holistic refresh of the Indian Parliament that addresses gender, demographic weight, and federalism simultaneously.

Beyond Tokenism

Critics often point to the "Sarpanch-Pati" syndrome as a reason to doubt the efficacy of quotas. However, evidence suggests this is a transitory phase. By the second or third election cycle, the "proxy" effect diminishes as women gain independent political capital. Furthermore, the 15-year sunset clause in the 2023 Act ensures that reservation is a "booster shot" rather than a permanent crutch. It aims to reach a critical mass where the political culture is forced to evolve, and parties are compelled to nurture a genuine pipeline of female talent.

The 2029 Horizon

As we look toward the 2029 General Elections, the integration of these bills represents a "New India" that is unafraid of structural upheaval. The decision to proceed with delimitation based on the latest available data—lifting the decades-old freeze—signals that the government recognizes the demographic dividend cannot be harvested if half the harvesters are locked out of the granary.

We are moving toward a legislature that will finally resemble the streets of India—vibrant, diverse, and representative. The Women's Reservation Bill, anchored by the technical precision of the Delimitation Bill, 2026, is more than a legislative victory; it is a renewal of the social contract. It is the realization that a democracy that walks on only one leg will always struggle to run. By ensuring women occupy a third of the expanded 850-member House, we aren't just changing the face of Parliament; we are changing the fate of the nation.

How the Colour Red has Faded Over Time in Bengal

The railway station still reads Naxalbari, but the far-Left movement that originated here in the late 1960s has long since lost momentum, gradually fading nearly six decades on. On the ground, times have changed -- and so has the colour of politics.

The leaders behind the movement believed in the power of bullets over ballots and were therefore never tested by the people's mandate. The period was also marked by political uncertainty in Kolkata, which saw President's Rule imposed three times intermittently between 1968 and 1977.

The Darjeeling Lok Sabha seat -- of which Matigara-Naxalbari (SC) is an Assembly segment -- witnessed close contests between two dominant adversaries, the Congress and the Left, barring brief intervals. In 2009, however, BJP leader Jaswant Singh wrested the Darjeeling seat with support from leaders of the Gorkhaland movement.

Since then, the BJP has retained the parliamentary constituency, with S. S. Ahluwalia winning in 2014, followed by Raju Bista in 2019 and 2024.

Matigara-Naxalbari is one of the Lok Sabha constituency's seven Assembly segments and one of the five Assembly seats in Darjeeling district. Four of these five seats -- including Matigara-Naxalbari -- were won by the BJP in the 2021 Assembly elections. In the 2024 Lok Sabha polls, the party led in all these segments.

Following delimitation and the formation of the Matigara-Naxalbari Assembly constituency, Congress candidate Sankar Malakar defeated CPI-M nominee Jharen Roy by about 6,800 votes in 2011. He retained the seat in 2016, winning by a margin of over 18,600 votes against Trinamool Congress candidate Amar Sinha.

Incidentally, the Trinamool Congress came to power in 2011 in alliance with the Congress, before the two parties later parted ways. The Congress subsequently aligned with the Left. In 2021, BJP's Anandamoy Barman defeated Trinamool candidate Rajen Sundas by more than 70,800 votes, while Malakar finished a distant third.

In the meantime, Maoist influence waned in the area but spread elsewhere, amid internal rifts within the leadership that led to the formation of new groups and alliances. The Naxalbari movement ignited India's far-Left radicalism through a peasant revolt against landlords. Nearly six decades later, its birthplace has tilted towards right-wing politics, symbolising a broader political shift.

Led by radicals such as Charu Majumdar, Kanu Sanyal, and Jangal Santhal, the movement drew in tribal sharecroppers who were exploited by landlords at the time. Expelled CPI-M radicals formed the All India Coordination Committee of Communist Revolutionaries in 1967, which later evolved into the Communist Party of India (Marxist-Leninist) in 1969 under Sanyal. Majumdar's shift towards urban strategy and his call for the annihilation of class enemies inspired sections of the youth, particularly university students in cities such as Kolkata.

The ideology later spread to Bihar, Andhra Pradesh, and other regions.

The aftermath and growing disillusionment were reflected in an incident on March 23, 2010, when residents of Hatighisa village near Naxalbari found Kanu Sanyal dead at his residence.

His differences with Charu Majumdar and several other party leaders were well known. Most leaders have since abandoned armed struggle, and many among the present generation of Naxal sympathisers have joined the democratic process. Majumdar died in July 1972 while in custody under mysterious circumstances at Alipore Central Jail in Kolkata.

Ahead of the 2006 Assembly elections, even as the Trinamool wave was building, Sanyal, speaking from his modest residence, reflected on the "excesses" committed by his comrades in earlier phases. He had also predicted that "the time is still not here for Mamata Banerjee" to win.

The Trinamool Congress indeed lost the 2006 elections despite the hype. As with many others, disillusionment with Naxal violence and shifting political bases contributed to this trend.

Now, ahead of the 2026 West Bengal Assembly polls, the BJP appears to be gaining ground amid the Left's decline, with tribal voters increasingly prioritising development over ideology. This rightward shift underscores the erosion of far-Left influence, as economic growth and state interventions eclipse Maoist appeal.

The Water Terrorist

Kaveh Madani, director of the United Nations University Institute for Water, Environment and Health (UNU-INWEH), has been named the 2026 recipient of the Stockholm Water Prize, widely regarded as the world's most prestigious award for water-related work.

The announcement was made on March 18, 2026 at UNESCO headquarters in Paris, ahead of World Water Day. The prize will be formally presented by Sweden's King Carl XVI Gustaf in August during World Water Week in Stockholm. Madani, 44, is the youngest laureate in the award's 35-year history, as well as the first UN official and the first former politician to receive the honour.

The Stockholm Water Prize committee said Madani was selected for his "unique combination of groundbreaking research on water resources management with policy, diplomacy and global outreach, often under personal risk and political complexity".

His career has been marked not only by scientific achievement but also by political controversy in his home country, Iran.

After returning to Iran in 2017 to serve as deputy vice president and deputy head of the Department of Environment, Madani pushed for reforms in water governance and transparency. His efforts drew backlash from hardline groups, and state-aligned media accused him of espionage and labelled him a "water terrorist" and "bioterrorist".

He was arrested and interrogated multiple times before being forced into exile in 2018. He later took up an academic role at Yale University before moving into the UN system.

Madani is known for introducing the concept of "water bankruptcy" to describe a condition in which water shortages are no longer temporary crises but reflect long-term systemic failure.

In a recent UN report, he argued that the world entered an era of "global water bankruptcy" in January 2026, with many river basins and aquifers unable to recover to historical levels. The framing has influenced policy debates by shifting focus from short-term crisis management to long-term adaptation.

His research has also applied game theory and decision analysis to water resource management, challenging assumptions of cooperation in traditional models and offering new approaches to resolving disputes and managing shared resources.

High-salt Diet Linked to Faster Memory Decline

A diet high in salt may accelerate memory decline in men, Australian research reveals, highlighting the importance of dietary choices in supporting brain health.

The study found that higher sodium intake may impair episodic memory, which enables people to recall personal experiences and past events, such as where you parked your car or your first day of school.

According to a statement from Australia's Edith Cowan University (ECU), measuring baseline sodium intake and cognitive decline of 1,208 participants over 72 months, researchers found that men with higher sodium intake experienced faster episodic memory decline, while no link was seen in women.

While sodium serves several physiological functions and is inextricably linked to the maintenance of the body, high sodium consumption has consistently been associated with an increased risk of cardiovascular events and high blood pressure, according to the study published in Neurobiology of Ageing.

Lead researcher Samantha Gardener from ECU said that while the molecular mechanisms behind the process were not yet understood, it was thought that high sodium intake could contribute to inflammation in the brain, damage to blood vessels, and reduced blood flow to the brain.

Meanwhile, a recent Israeli study suggested that while memories themselves may fade, the explanations people give for why they remember events remain detailed and stable over time.

Researchers analysed the self-reported explanations of 421 participants using linguistic tools to track changes in content and detail. They found that while the ability to recall specific events declined over time, the depth and content of participants' justifications remained steady.

The frequency of these explanations and the types of words used were consistent, indicating they may serve as reliable markers of memory accuracy.

Subtle shifts in wording over time, however, suggest that a person's confidence in their memory may decrease as the event recedes into the past.

The study, published in Communications Psychology, indicates that even when memories feel "fuzzy," the reasons people give for recalling them remain a relatively dependable way to assess their truthfulness. Still, legal and clinical professionals should note that confidence may waver, even if the justification itself remains strong.

SARA ALI KHAN SOAKS IN MOUNTAIN MAGIC

Actress Sara Ali Khan loves to take some time off from work and go on solo trips to places full of natural beauty and peace. In a similar quest, the 'Kedarnath' actress went on another fun getaway in the mountains.

In her latest social media post, Sara was seen enjoying her own company amidst the slow-clan mountains. During her time there, the 'Atrangi Re' actress even soaked in all the beauty surrounding the place, along with meeting some locals and even relishing their local delicacies.

In one of the clips, Sara was seen enjoying the hospitality of one of the residents of the place. She was also seen giving the netizens an overview of the place in the post captioned, "It's not the mountain we conquer, but ourselves." — Sir Edmund Hillary (sic)".

While Sara did not reveal the name of the place she went to, she is known to take such short holidays whenever her hectic work schedule permits. Shifting our focus to Sara's work commitments, she will soon be seen sharing the screen with Ayushmann Khurrana, Rakul Preet Singh, and Wamiqa Gabbi in the eagerly awaited sequel, "Pati Patni Aur Woh Do".

Made under the direction of Mudassar Aziz, "Pati Patni Aur Woh Do" is expected to get a theatrical release on May 15. The movie is a sequel to the 2019 drama "Pati Patni Aur Woh" featuring Kartik Aaryan, Bhumi Pednekkar, and Ananya Panday, which is a retelling of the 1978 film of the same name, starring Sanjeev Kumar, Vidya Sinha, and Ranjeeta Kaur as the leads. The movie revolves around a married couple, Chintu (Played by Kartik Aaryan) and Vedika (Played by Bhumi Pednekkar). Everything seems to be going well until Chintu gets attracted to Tapasya (Played by Ananya Panday), a young fashion designer.

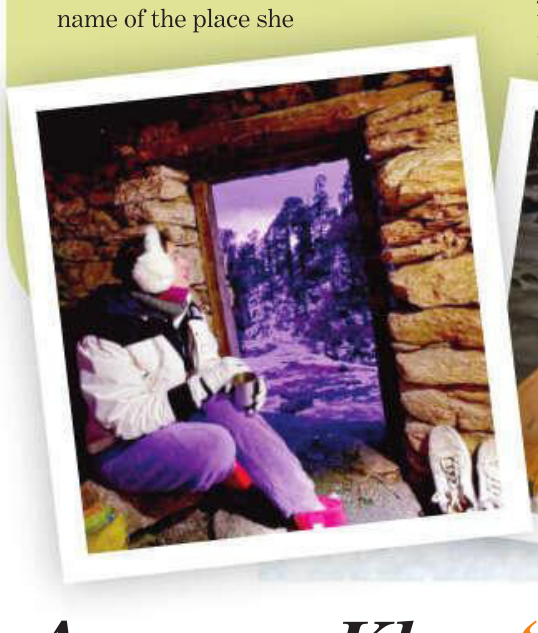

Rashmika Mandanna revisits fun BTS moments with Shahid Kapoor and Kriti Sanon on 'Jab Talak' set

Actress Rashmika Mandanna will soon grace the screen as Diya in the highly talked about sequel, "Cocktail 2".

In her latest social media post, Rashmika decided to relive all the behind-the-scenes fun she had with her co-stars Shahid Kapoor and Kriti Sanon while shooting the peppy number "Jab Talak" from the film.

The 'Animal' actress revealed that they ended up having a blast with a lot of laughter and random dancing in between the shots while filming "Jab Talak".

Rashmika wrote on the photo-sharing app, "A page from Diya's diary- We shot for Jab Talak in Sicily, Italy and it was all-random dancing between takes, loving dancing and just vibing, laughing at literally everything... and somehow still pulling it off with swag Diya was living her best life and you'll know why when you watch the film...and this was a lot of chaos and a lot more of dance (sic)."

Showering love on her partners in crime and dance, Kriti and Shahid, the 'Pushpa' actress went on to add, "and Ally & Kunzee?? partners in dance and crime for real... I don't think Diya Kunal and Ally had a single serious moment even when they had to be serious!! you guys are mad and you are my madness and I love you for it! #Cocktail2 releasing in cinemas worldwide on 19th June!"

Earlier, talking about the track, Kriti shared, "'Jab Talak' carries such a beautiful, feel-good vibe. Shooting for it felt like living the perfect summer with friends, filled with laughter, music, and pure masti against the stunning backdrop of Sicily. I had an absolute blast filming with Shahid and Rashmika, and it was amazing to see even the international crew and dancers humming along and soaking in the energy of the song". A sequel to the 2012 film "Cocktail", the movie is scheduled to reach the cinema halls on June 19.

Anupam Kher 'deeply moved' as Ishan Kishan credits him for strength in tough times

Anupam Kher is full of gratitude after Indian cricket star Ishan Kishan revealed that the veteran actor-filmmaker inspired him during a difficult phase in his life.

Anupam shared a video of Ishan in conversation with mentalist Suhani Shah, who asks the cricketer how he bounced back from his low phase. She asked him to think about the inspiration that made him feel good or motivated.

She then asks the cricketer to think about it, and she writes "Anupam Kher" on a piece of paper. A stunned Ishaan reacts shockingly and asks, "how is this possible?" and that there is a "glitch".

Reacting to the moment, Anupam posted a note stating that he has never met Kishan nor had any direct conversation with him, making the acknowledgment even more special and deeply moving for the actor.

He wrote: "Sometimes life surprises you in the most beautiful and humbling way. The brilliant mentalist Suhani Shah asked ace cricketer #IshanKishan a simple yet powerful question — "In your low phase, who gave you courage?" And to my absolute surprise... he said- #AnupamKher!! I have never met Ishan. We have never shared a conversation."

" Yet somewhere, silently, through the life I have lived, the choices I have made, and the belief I have carried — I could reach him. That, to me, is deeply moving."

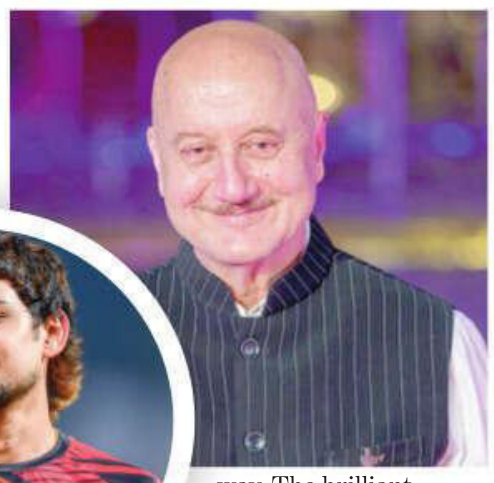

Prateik Smita Patil calls Priya Banerjee his 'partner in crime and goof' in birthday wish

Actor Prateik Smita Patil wrote a playful yet affectionate birthday note for his wife Priya Banerjee, calling her everything from his "partner in crime & goof" to his "infinite soulmate."

Prateik took to Instagram, where he shared a string of pictures from their wedding day, their loved up moments and even a glimpse of a chocolate cake with a golden topper that reads: "World's Best Wife'.

The actor penned a quirky message, filled with love, admiration, and a touch of mischief in the caption section.

The 39-year-old actor, who is the son of Raj Babbar and late star Smita Patil, wrote: "happy born day to my gorgeous wifey!.. my infinite soulmate!.. my best freakin' friend!.. my partner for lifetimes!.. my partner in crime & goof!.. my reason!.. my rock!.. my guide!.. my blessing!.. my big dawg!.. my bad b***h!.. my spiritual gangster!.. my maa kaali!

Prateik added: "Im gonna stop right here or the list goes on forever! happy born day my sexy mama! to infinity & beyond! @ priyabanerjee."

It was in 2024, when Prateik and Priya got engaged. They got married a year later.

On the Bollywood front, Prateik was last seen in Sikandar, an action drama film directed by A. R. Murugadoss. It stars Salman Khan, Kajal Aggarwal, Rashmika Mandanna, Sharman Joshi, Sathyaraj, Jatin Sarna, Sanjay Kapoor and Kishore.

In the film, Sanjay "Sikandar" Rajkot is motivated by a tragic accident to redeem his past by changing the lives of three people and finds himself targeted by a vengeful politician.

Ameesha Patel stresses hearing women's voices for nation's progress

Actress Ameesha Patel has voiced her opinion on the implementation of the Nari Shakti Vandan Adhiniyam and said that it is very important to listen to the voices of women for the progress of our country.

Sharing her two cents on the proposed implementation of the 'Nari Shakti Vandan Adhiniyam', providing 33 per cent reservation for women in Parliament and state legislatures, Ameesha told IANS that she has "always supported women's progress in every field."

"Especially when they are given a higher percentage of representation, whether in jobs or in Parliament, and when their voices are heard and are given more choice for voice. I always support it."

"In fact, I am happy about it, but why only 33 percent? It should be 100 percent reservation...why not? Women empowerment is very important," added the actress, who has worked in films such as "Gadar: Ek Prem Katha", "Kaho Naa...Pyaar Hai" and "Humraaz" to name a few.

The actress said it is a woman who understands the real problem.

"Absolutely, because it is a woman who truly understands real problems, the problems of ordinary people and household issues. So definitely, it is very important to listen to the voices of women for the progress of our country," she added.

The Women's Reservation Bill, or Nari Shakti Vandan Adhiniyam, provides for one-third reservation for women in legislative bodies.

It was passed in Parliament in 2023. A proposed legislation seeks to delink its implementation from the 2027 Census and base it on the 2011 Census to ensure it comes into force before the 2029 general election. With the focus now shifting to its implementation across the country, a special session of Parliament is set to be convened today.

Talking about the actress, Ameesha was last seen on screen in Gadar 2,a period action drama film directed by Anil Sharma. The sequel to Gadar: Ek Prem Katha, it stars Sunny Deol, Ameesha Patel, and Utkarsh Sharma, Simrat Kaur, Manisha Wadhwa, and Gaurav Chopra. The film is based during the Indo-Pakistani War of 1971.

Gadar 2 became the fourth highest-grossing Indian film of 2023, the tenth highest-grossing Hindi film of all-time, and the fifth highest-grossing Hindi film in India.

She will reportedly be seen in Tauba Tera Jalwa by Akashaditya Lama. It also stars Jatin Khurana, and Angela Krislinzki.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

नगीना में गेहूं की फसल का क्रॉप कटिंग प्रयोग, 34 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन का आकलन

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। तहसील क्षेत्र के ग्राम हसैनाबाद में शुक्रवार को रबी सीजन 2025-26 के अंतर्गत गेहूं की फसल का क्रॉप कटिंग प्रयोग संपन्न कराया गया।यह प्रयोग पूर्व निर्धारित फील्ड चयन के अनुसार गाटा संख्या 336/1.8010 पर कृषक आनंद स्वरूप पुत्र दीवानी के खेत में किया गया। क्रॉप कटिंग प्रयोग की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बिजनौर द्वारा की गई। प्रयोग के दौरान नियमानुसार 10.10.10 मीटर की त्रिभुजाकार आकृति में क्रॉप कटिंग प्लॉट तैयार किया गया,जिसमें दो श्रमिकों द्वारा गेहूं की फसल की कटाई की गई।इसके बाद फसल की घाई कर उत्पादन का आकलन किया गया।प्रयोग के अनुसार 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल से प्राप्त उत्पादन के आधार पर औसत उपज 34 कुंतल प्रति हेक्टेयर आंकी गई।इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी,राजस्व निरीक्षक नरेंद्र सिंह,क्षेत्रीय लेखपाल सँकी यादव,लेखपाल सुनील कुमार,सुरेंद्र सिंह,अजयवीर सिंह सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

दो बड़ी जिम्मेदारी से नवाजे गए डॉक्टर प्रमोद देशवाल

नजीबाबाद और शेरकोट क्षेत्र का मिला नोडल अधिकारी का चार्ज

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर। अपनी सराहनीय कार्यशैली को लेकर हर समय चचाओं में रहने वाले नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार देशवाल को न केवल एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है बल्कि दो दो जिम्मेदारियों से उन्हें आज नवाज दिया गया है। नजीबाबाद जैसे बड़े क्षेत्र का जहां उन्हें नोडल अधिकारी बनाया गया है वही उन्हें अब शेरकोट क्षेत्र की भी बड़ी जिम्मेदारी सौप दी गई है। जानकारी के मुताबिक अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार देशवाल नगीना तहसील के नोडल अधिकारी के रूप में अपनी कुशल सेवाएं दे चुके हैं अब वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें नजीबाबाद जैसे बड़े क्षेत्र में जहां उन्हें नोडल अधिकारी के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी है तो वही उन्हें शेरकोट क्षेत्र का नोडल अधिकारी का चार्ज भी दे दिया गया है। जबकि नगीना क्षेत्र का डॉ केपी सिंह को नोडल अधिकारी बनाया है। आपके यहां यह भी बताते चले की चार्ज संभालते ही तेजतर्रार एवं मधुर व्यवहार के धनी डॉक्टर प्रमोद कुमार देशवाल ने नजीबाबाद का चार्ज लेते ही कई अनियमिताएं पाते हुए नजीबाबाद का रॉयल हॉस्पिटल की ओटी व मेट्रो हॉस्पिटल की ओटी सील की गई। जबकि श्री बालाजी नर्सिंग होम संचालक अपना नर्सिंग होम बंद कर मौके से भाग गए। इस मौके पर नोडल अधिकारी प्रमोद कुमार देशवाल के साथ जफ्तागंज चौकी के इंचार्ज विनोद कुमार पांडेय मौजूद रहे।

जनगणना प्रशिक्षण का निरीक्षण,38 केंद्रों पर हुआ कार्यक्रम

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी।

नगीना। जनगणना 2027 के तहत चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व जिला जनगणना अधिकारी वान्या सिंह ने नगीना के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने हिंदू इंटर कॉलेज,मुस्तफा म्यूनिसिपल इंटर कॉलेज और नगर पालिका परिसर में आयोजित प्रशिक्षण का जायजा लिया।जिले में कुल 38 केंद्रों पर प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।एडीएम ने बताया कि जनगणना कार्य को शुद्धता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के लिए डिजिटल माध्यमों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।प्रशिक्षण में मोबाइल ऐप के जरिए डेटा फीडिंग, तकनीकी पहलुओं और फील्ड समस्याओं के समाधान पर विस्तार से जानकारी दी गई।इस दौरान अधिकारियों ने प्रगणकों को घर घर जाकर सही जानकारी जुटाने और आमजन से विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए।

धान खरीद शुरू न होने पर एडीएम सख्त, केंद्र प्रभारी को चेतावनी

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी।

नगीना। शुक्रवार दोपहर के समय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने नगीना स्थित धान क्रय केंद्र पखनपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धान खरीद शुरू न होने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए केंद्र प्रभारी को तत्काल खरीद शुरू करने के निर्देश दिए,अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी दी।एडीएम ने डीएसपीसीएफ प्रभारी को भी शीघ्र धान क्रय सुनिश्चित करने को कहा।साथ ही तहसीलदारों को निर्देशित किया कि गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों की रजिस्ट्री से जुड़ी समस्याओं का समाधान कर उन्हें सहयोग दें।उन्होंने किसानों से जनसुविधा केंद्र या स्वयं पोर्टल पर किसान आईडी बनाने की अपील की।

मोटरसाइकिल की टक्कर में एक बालक गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल / सलीम हैदर

बरुकी। ग्राम शादीपुर निवासी एक बालक मोटरसाइकिल की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बालक के माता-पिता दिव्यांग हैं।

ग्राम शादीपुर निवासी वंश (12 वर्ष)पुत्र रवि कुमार शादीपुर बस अड्डे मार्ग पर खड़ा था। तभी ग्राम शादीपुर की ओर से तेज गति से आ रहे एक बाइक सवार ने वंश को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल का पहिया वंश के पर को कुचलता हुआ आगे निकल गया। वंश गिर पड़ा। मोटरसाइकिल चालक मौके से भाग गया।मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी।गंभीर हालत में परिजन वंश को बिजनौर ले गए जहां से गंभीर स्थिति देखते हुए उसे मेरठ रेफर कर दिया गया।वंश के माता और पिता दोनों पैर से दिव्यांग हैं।परिजनों के अनुसार वंश के पैर पर मोटरसाइकिल का पहिया उतरने के कारण उसके पैर का अंगूठा बुरी तरह कुचल गया है। परिजनों ने घटना की तहरीर थाना कोतवाली देहात में दी है।पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाइक सवार की तलाश कर रही है।

सीएचसी स्योहारा का संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक ने किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

स्योहारा। शुक्रवार को संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक/जे.डी. मुरादाबाद मंडल डॉ. देवीदास ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. देवीदास ने सबसे पहले सीएचसी और पीएचसी परिसर की स्वच्छता व्यवस्था देखी। इसके बाद ओपीडी, स्टोर रूम, प्रसूता भवन तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सीएचसी में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का भी अवलोकन किया तथा दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली।

इसके बाद उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर पहुंचकर वहां मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। इस दौरान सीएचओ मोहिनी तथा आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं। उन्होंने नियमित रूप से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की जमीनी हकीकत भी परखी। उन्होंने सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें तथा आमजन को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं।

उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में लिक्विड फ्लूड, दवाइयां एवं ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही हीट वेव से निपटने के लिए कोल्ड रूम वार्ड बनाने, स्टाफ की ड्यूटी लगाने तथा प्रशिक्षण देने को कहा। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट योगेश, हरीश, एआरओ आलोक कुमार, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, स्टाफ नर्स अमृता, नीरज, अमित, देवेंद्र, डीईओ राशि अनम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

लकड़ी की ट्राली में फंसे व्यक्ति की जान बचाते दिखे नहटौर कोतवाल रवींद्र प्रताप

जिंदगी की जंग हार गया चालक, जान बचाने के लिए कोतवाल के प्रयास की वीडियो वायरल

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नहटौर। नहटौर-कोतवाली देहात मार्ग पर स्थित गांव फुलसंदा के पास लकड़ी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर गहरे गड्ढे में जा गिरी। ट्रॉली चालक लकड़ी के लट्ठे के बीच फंसे होने की सूचना पर दौड़े नहटौर कोतवाल रविन्द्र प्रताप अपने हमराह सिपाहियों के साथ लकड़ी हटानी शुरू की तो वहां मौजूद लोग भी कोतवाल की इस इंसानियत को देख शर्मा गये ओर उन्होंने भी साथ मिलकर चालक को बचाने का प्रयास किया लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। हिदय विदारक इस घटना में चालक की मौत हो गई। कोतवाल ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के गांव रुखड़ियो निवासी 45 वर्षीय राजेंद्र सिंह पुत्र बिशन लाल अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पॉपुलर की लकड़ी भरकर नजीबाबाद के लिए निकला था बताया जाता है कि जैसे ही वह गांव फुलसंदा के पास पहुंचा तो उसका ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ घटना की और दौड़ पड़े उन्होंने लकडी के बीच में फंसे चालक राजेन्द्र को सकुशल निकलने का अथक प्रयास किया लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। जब तक सारी लकड़ी हटाई गई तब तक राजेंद्र की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान रुखड़ियो गांव निवासी राजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। उनके परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। एक लकड़ी शादी हो गई है। हादसे के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिवार का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। कोतवाल रविन्द्र प्रताप ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रविंद्र प्रताप ने कर दिया इंसानियत को जिंदा

दरअसल जैसे ही नहटौर कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह को ट्राली पलटने की सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने चालक की जान बचाने के लिए खुद लकड़ी हटाने का अथक प्रयास किया। भले ही चालक की जान न बच सकी हो लेकिन कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह के अथक प्रयास ने इंसानियत को जिंदा कर दिया। जो आसपास के क्षेत्र में इस बात की चर्चा जोरों पर हो रही है।

बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण पर जोर, डीएम ने स्कूलों को दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल / उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिले की बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह बात कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, सीबीएसई और आईसीएसई विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों के साथ आयोजित बैठक में कही। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एचपीवी संक्रमण भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का कारण बन सकता है, इसलिए समय पर टीकाकरण बेहद आवश्यक है।बैठक में विद्यालयों को निर्देश दिए गए कि वे अपने निकटवर्ती प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से समन्वय स्थापित कर टीकाकरण शिविर आयोजित करें। साथ ही टीकाकरण के बाद बच्चों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने तथा अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।इसके अलावा जिलाधिकारी ने विद्यालयों में अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए। इनमें समय-सारिणी को व्यवस्थित करना, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, बालिकाओं एवं बालकों के लिए पृथक शौचालयों की व्यवस्था, पुस्तकालय सुविधाओं का सुचारु संचालन तथा छात्रों को समय पर पाठ्यक्रम सामग्री उपलब्ध कराना शामिल है।बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. केपी सिंह, सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नरेंद्र कोर, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर अमित कुमार, डीपीएम फारूक अजीज, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

चांदपुर मेला कागजों में नियम सख्त, जमीन पर लापरवाही क्या प्रशासन हादसे का इंतजार कर रहा है

दैनिक बुलंद मंजिल/ यासिर शम्सी बिजनौर /चांदपुर। में आयोजित प्रदर्शनी मेला इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बनकर सामने आया है। प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति में सुरक्षा को लेकर कई सख्त शर्तें निर्धारित की गई थीं,लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के ठीक उलट नजर आ रही है।हजारों लोगों की भीड़ के बीच यह मेला बिना बुनियादी सुरक्षा इंतजामों के संचालित हो रहा है,जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।अनुमति की शर्तों के अनुसार मेले में 15,000 लीटर क्षमता का भूमिगत जल टैंक होना अनिवार्य था,ताकि आग जैसी आपात स्थिति में तुरंत नियंत्रण किया जा सके।इसके अलावा,परिसर में जगह-जगह पानी से भरे ड्रम रखने, हर दुकान पर फायर एक्सटिंग्विशर और बालू की बाल्टी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए थे।लेकिन मौके पर इन व्यवस्थाओं का अभाव साफ दिखाई देता है।न तो जल टैंक मौजूद है,न पर्याप्त पानी के ड्रम,और कई दुकानों पर अग्निशमन के प्राथमिक साधन तक नहीं हैं।भीड़भाड़ वाले इस मेले में दुकानों के बीच आवश्यक दूरी का भी पालन नहीं किया गया है।दुकानें एक दूसरे से सटी हुई हैं,जिससे आग लगने की स्थिति में उसका फैलाव तेजी से हो सकता है।प्रवेश और निकास के लिए अलग अलग रास्तों की व्यवस्था भी नहीं की गई,जिससे भगदड़ की स्थिति में हालात बेहद भयावह हो सकते हैं।नियमों के विपरीत मेले में बड़े झूले संचालित हो रहे हैं,जबकि अनुमति में इन पर प्रतिबंध स्पष्ट था।वहीं कई दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है, जो गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि मेले में एम्बुलेंस,फर्स्ट एड और भीड़ नियंत्रण जैसी आपातकालीन व्यवस्थाएं भी नजर नहीं आतीं।हाल ही में नजीबाबाद में झूले से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था,जबकि कुशीनगर में झूला टूटने से 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे।इन घटनाओं के बावजूद चांदपुर मेले में लापरवाही जारी है।सरकारी योजनाओं का प्रचार दूर दूर तक मेले में कहीं नजर नहीं आ रहा।अब सवाल उठता है कि इस पूरे मामले में जिम्मेदारी किसकी है आयोजकों की,स्थानीय प्रशासन की या संबंधित विभागों की क्या निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह गया है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई,तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती है।ऐसे में जरूरी है कि तुरंत जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

गन्ना पावर कोल्हू पर लगी भीषण आग, खोड़ी का बड़ा ढेर जलकर राख

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद जीशान

नहटौर। प्राप्त समाचार के अनुसार गांव अंबरपुर जाफर स्थित एक गन्ना पावर कोल्हू पर शुक्रवार दोपहर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग कोल्हू पर रखी खोड़ी (गन्ने के अवशेष) के विशाल ढेर में लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी मदुर्दीन का गन्ना पावर कोल्हू गांव के पास स्थित है। बताया जाता है कि कोल्हू के पड़ोस के खेत में एक किसान गन्ने की पत्तियां जला रहा था। इसी दौरान तेज हवा के चलते आग की चिंगारियां उड़कर कोल्हू पर रखी खोड़ी के ढेर तक पहुंच गईं, जिससे आग भड़क उठी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और कोल्हू मालिक ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों, स्थानीय ग्रामीणों और कोल्हू कर्मचारियों ने मिलकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग लगने से खोड़ी का बड़ा हिस्सा जलकर राख हो गया, जिससे आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि सूखे खेतों या कोल्हू के आसपास आग जलाते समय विशेष सावधानी बरतें, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।